Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 17 April 2026 ● Year : 05 ● Issue : 92 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जो व्यक्ति अपने मन में उठने वाले हर विचार को देखने की आदत बना लेता है, वही सच्चे ज्ञान के करीब पहुंचता है।

–गौतम बुद्ध

Anushka Sharma
Virat Kohli's...

पार्किंग एरिया में हादसा

स्पाइसजेट व अकासा एयर के विमान दिल्ली एयरपोर्ट पर टकराए सभी यात्री सुरक्षित

NEW DELHI : गुरुवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट का विमान अकासा एयर के विमान से टकरा गया। घटना दोपहर 2 बजे हुई। जानकारी के मुताबिक, अकासा एयर की दिल्ली से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट पार्किंग से पुशबैक कर रहा था, तभी लेह से दिल्ली आया स्पाइसजेट का विमान टेक्सी वे से गेट की तरफ बढ़ते समय उससे टकरा गया। हादसे में स्पाइसजेट विमान के राइट विंगलेट टूट गया। वहीं, अकासा के प्लेन के लेफ्ट होरिजोंटल स्टेबलाइजर को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद ग्राउंड क्रू ने तुरंत ही दोनों प्लेन के सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से निकाल लिया। घटना के बाद स्पाइसजेट और अकासा के प्लेन दिल्ली में ही ग्राउंड कर दिए गए हैं, यानी इन्हें अगली उड़ाने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। घटना की जांच की जा रही है।

लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयक पेश, विपक्ष का हंगामा

किसी की नीयत में खोट को कभी माफ नहीं करेगी देश की नारी शक्ति : पीएम

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम में बदलाव और परिसीमन से जुड़े तीन अहम विधेयक पेश किए गए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026 और परिसीमन विधेयक पेश किया, जबकि गृह मंत्री अमित शाह ने संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक रखा। 131वें संशोधन विधेयक को पेश करने के प्रस्ताव पर 251 वोट पक्ष में और 185 वोट विरोध में पड़े। विपक्षी दलों (कांग्रेस, सपा और द्रमुक) ने इन विधेयकों को असंवैधानिक बताते हुए समय पर सवाल उठाए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के अनुसार, महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग बनाने से जुड़े तीनों बिलों पर वोटिंग शुक्रवार को शाम 4 बजे होगी। उसके पहले बहस होगी। चर्चा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जब से महिला आरक्षण को लेकर चर्चा होती रही और उसके बाद जब-जब चुनाव आया है, महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है, महिलाओं ने उसे माफ नहीं किया है। किसी की भी नीयत में खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी। समय की मांग है कि अब ज्यादा विलंब न हो। प्रधानमंत्री ने इस आशंका को दूर किया कि परिसीमन के दौरान राज्यों के हिस्से में आने वाली सीटों के अनुपात में कोई बदलाव होगा।

परिसीमन के दौरान राज्यों के हिस्से में आने वाली सीटों के अनुपात में नहीं होगा बदलाव, इस ऐतिहासिक मुद्दे पर सब चलें साथ

- कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने दो और गृह मंत्री अमित शाह ने पेश किया एक बिल
- विधेयक को पेश करने के प्रस्ताव पर 251 पक्ष में और विरोध में पड़े 185 वोट
- कांग्रेस व अन्य दलों ने विधेयकों को भारत के संघीय ढांचे पर बताया सीधा हमला
- स्पीकर ओम बिड़ला ने दी जानकारी- आज शाम चार बजे होगी वोटिंग

लोकसभा की सीटें 850 करने का प्रस्ताव

बिल में परिसीमन के बाद लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। इसमें केंद्र शासित प्रदेशों की सीटों की संख्या 35 होगी।

यह पाप से मुक्ति पाने का अवसर

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की नारी शक्ति का यह हक है। हमने कई दशकों से इसे रोका हुआ था, अब प्रायश्चित कर उस पाप से मुक्ति पाने का अवसर है। तीन दशकों तक आपने इसे रोककर रखा, फिर भी कुछ कर नहीं पाए, तो अब तो करो। डीएमके सांसद परिसीमन बिल का विरोध करने के लिए काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे। मोदी ने कहा- हमारे यहां परंपरा है किसी की नजर न लगे इसके लिए काला टीका लगाते हैं, इसलिए मैं आपका (डीएमके) धन्यवाद करता हूं।

केसी वेणुगोपाल ने किया विरोध

चर्चा शुरू होने के पहले पहले कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने जैसे ही लोकसभा में परिसीमन बिल पेश किया, माहौल गरमा गया। जैसे ही बिल पेश हुआ, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। वेणुगोपाल ने कहा कि वो अर्जुन राम मेघवाल और अमित शाह द्वारा लाए गए बिल का विरोध करते हैं। उन्होंने इसे भारत के संघीय ढांचे पर सीधा हमला बताया। वेणुगोपाल ने सवाल उठाया कि आखिर इस बिल का मकसद क्या है, जबकि संसद पहले ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला बिल पास कर चुकी है।

अखिलेश यादव और अमित शाह के बीच जोरदार बहस

विधेयक को लेकर सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा कि महिला विधेयक के पक्ष में हैं हम। आपको जल्दीबाजी क्यों है। आप जनगणना क्यों नहीं कराना चाहते। ये इसलिए नहीं करना चाहते हैं कि जैसे ही जनगणना होगी, हम सब लोग जाति गणना मांगेंगे, जाति की गिनती के बाद हम आरक्षण मांगेंगे। इसलिए धोखा देकर लाना चाहते हैं। इस पर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं देश की जनता को बताना चाहता हूं कि जनगणना का काम जारी है। सरकार जाति गणना का निर्णय भी ले चुकी है। अभी घरों की गिनती हो रही है। घरों की कोई जाति नहीं होती। समाजवादी पार्टी का बस चले तो घरों की भी जाति तय कर दे। जब नागरिकों की जनगणना होगी, तब उसमें जाति का कॉलम रखा है। ये मेरा विभाग है। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये जनगणना जाति के साथ ही होने वाली है।

SHARE

सेंसेक्स	:	77,988.68
निफ्टी	:	24,196.75

SARAFA

सोना	:	14,410
चांदी	:	275.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गड्ढे में जमा पानी में डूबकर चार बच्चों की मौत

MUMBAI : गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर के देगलुर नाका इलाके में एक गड्ढे में जमा पानी में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इतवारा पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और चारों बच्चों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चारों की पहचान मोहम्मद अदनान मोहम्मद फिरोज (10), मोहम्मद अली मोहम्मद इदरीस (13), सैयद इरफान सैयद फिरोज (13) और अयान इब्राहिम बागवान (11) के रुप में की गई है। ये सभी देगलुर के इस्लामपुरा इलाके के रहने वाले थे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति 19-21 तक भारत दौरे पर

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग 19-21 अप्रैल तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति ली की यह भारत की पहली यात्रा होगी। ली म्युंग के साथ प्रथम महिला किम हे क्युंग और उनके मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी तथा व्यापारिक नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। इस दौरान राष्ट्रपति ली राष्ट्रपति मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के साथ विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

ट्रेजरी से अवैध निकासी के मामले सामने आने के बाद नहीं मिल रही थी सैलरी

सत्यापन के बाद सरकारी कर्मचारियों को वेतन मिलना शुरू, स्कैम की चल रही जांच

PHOTON NEWS RANCHI : ट्रेजरी से अवैध निकासी के मामले सामने आने के बाद राज्य के सरकारी कर्मचारियों को मार्च का वेतन रुक गया था। गुरुवार से सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद वेतन मिलना शुरू हो गया। फिलहाल उन्हीं कर्मचारियों को वेतन मिल रहा है, जिनके सभी ब्योरों का सत्यापन हो चुका है। इसके साथ ही राज्य के विभिन्न जिलों के उपायुक्त (डीसी) अपने स्तर से ट्रेजरी से वेतन मद में हुई निकासी की जांच भी की जा रही है।

सभी जिलों के डीसी अपने स्तर से वेतन मद में हुई निकासी की कर रहे पड़ताल

सत्यापन के बाद ही निकासी का निर्देश

गौरतलब है कि प्रधान महालेखाकार (अकाउंट्स) द्वारा ट्रेजरी से वेतन मद में फर्जी निकासी की सूचना दिए जाने के बाद बोकारो और हजारीबाग ट्रेजरी में निकासी की जांच शुरू कर दी गई थी। सरकारी कर्मचारियों के वेतनमान, पदनाम, बैंक अकाउंट आदि के सत्यापन के बाद ही वेतन निकासी का निर्देश दिया था।

होमगार्ड के वेतन को लेकर गाइडलाइंस

बोकारो, हजारीबाग और रांची में ट्रेजरी घोटाले सामने आने के बाद हर महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच होमगार्ड की वेतन निकासी को लेकर भी जांच और सतर्कता दोनों ही शुरू कर दी गई है। होमगार्ड डीजी ने राज्य के सभी होमगार्ड के वेतन की निकासी की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए कई निर्देश जारी किए है। वित्त भाग के पत्र के निर्देश के अनुसार, होमगार्ड डीजी ने सभी गृह रक्षकों की वेतन निकासी के पूर्व सभी जमा कागजातों के सभी बिंदुओं का सत्यापन करने का आदेश दिया है। पत्र में यह लिखा गया है यह निर्देश दिया जाता है कि अपने-अपने जिला इकाई के सभी गृह रक्षकों को विहित प्रपत्र के अनुरूप आवश्यक कागजात की छाया प्रति के साथ साफ-साफ अक्षरों में भरकर अपने जिला कार्यालय में अविलंब जमा करते हुए सत्यापित करवाना सुनिश्चित करें।

वोटिंग अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार

NEW DELHI : गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने देश में वोटिंग अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसा आदेश नीतिगत दायरे में आता है और न्यायपालिका इसे जारी नहीं कर सकती। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि जान-बूझकर वोट न डालने वालों के लिए दंडात्मक कार्रवाई की मांग और वोटिंग अनिवार्य बनाने वाली याचिकाओं पर कोर्ट सुनवाई नहीं कर सकता। बेंच ने पीआईएल याचिकाकर्ता अजय गोयल से कहा कि वे अपनी शिकायतों को लेकर संबंधित पक्षों से संपर्क करें। याचिकाकर्ता ने यह भी मांग की थी कि जो लोग जान-बूझकर वोट डालने से दूर रहते हैं, उनके लिए सरकारी सुविधाओं पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

गिरिडीह में 3 ट्रकों की टक्कर के बाद लग गई आग, दो जिंदा जले

PHOTON NEWS GIRIDIH : गुरुवार की सुबह दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुलगो टोल प्लाजा के समीप तीन मालवाहक ट्रकों की भीषण टक्कर के बाद आग लग गई। इसमे दो लोग जिंदा जल गए। घटना के बाद वहां अफरातफरी मच गई। तीन दमकल गाड़ियो ने आग बुझाने का काम किया। आग की लपट कम होने के बाद एक ट्रक में दो लोगों का जलले हुआ शव बरामद हुए है, जो ट्रक के चालक और उप-चालक का बताया जा रहा है। शवों की पहचान नहीं हो सकती। हादसे में दो ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि एक ट्रक आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। बताया गया कि कुलगो के पास दो ट्रक पहले से खड़े थे। ट्रक में खलासी और चालक सोए हुए थे। इसी बीच बगोदर से डुमरी की तरफ आ रहे एक ट्रक ने खड़े ट्रक को पीछे से धक्का मार दिया। इस घटना में धक्का मारने वाला ट्रक सहित तीनों ट्रकों में भीषण आग लग गई। जब तक चालक और खलासी कुछ समझ पाते, तब तक आग पूरी तरह फैल गई। तीनों ट्रकों में कोयला और गुड़ लोड था। इस हादसे में एक अन्य ट्रक चालक घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल रेफरल अस्पताल, डुमरी में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

- दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुलगो टोल प्लाजा के पास हुआ हादसा
- बगोदर से डुमरी की तरफ आ रहे एक ट्रक ने खड़े ट्रक को पीछे से मारा धक्का
- दो ट्रक पूरी तरह जलकर हो गए राख जबकि एक आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त

रांची समेत 6 जिलों में आज-कल चलेगी लू

गिरिडीह और चाईबासा में बारिश रामगढ़ में गिरे ओले, गर्मी से राहत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में तापमान तेजी से चढ़ रहा है। कई जिलों में पारा 40 डिग्री के आसपास है। पिछले 24 घंटे में सरायकेला 40.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं, रांची में अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री पर पहुंच गया। इसी बीच गुरुवार दोपहर बाद रामगढ़, गिरिडीह और चाईबासा में बारिश हुई और लोगों तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली। रामगढ़ में ओले भी गिरे। वहीं, राजधानी रांची में भी बादल छाए रहे। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिन में पारे में 3-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के आसार हैं। 17-19 अप्रैल के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से (3-4) डिग्री सेल्सियस ऊपर रह सकता है। वहीं, 17-18 अप्रैल को रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदगा व पलामू सहित कुछ जिलों में लू चल सकती है।

बोकारो से लापता युवती के मामले में हाईकोर्ट सख्त, दिया आदेश

पुष्पा नरकंकाल केस : कोलकाता में होगा डीएनए टेस्ट, दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को बोकारो से लापता पुष्पा कुमारी मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए जांच प्रक्रिया को तेज करने के आदेश दिए। कोर्ट ने बरामद नरकंकाल और पीड़िता के माता-पिता के डीएनए सैंपल की जांच कोलकाता स्थित सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री में कराने का आदेश दिया है। साथ ही राज्य सरकार को दो सप्ताह के भीतर डीएनए जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। बरामद कंकाल का पोस्टमार्टम रांची के रिम्स में कराने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। सरकार की ओर से जानकारी दी गई कि माता-पिता का सैंपल लिया जा चुका है। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई 7 मई को निर्धारित करते हुए बोकारो आईजी, डीआईजी, एसपी और एसआईटी प्रमुख को रिपोर्ट के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।

रिम्स में बरामद कंकाल का पोस्टमार्टम करने का निर्देश

स्ट्रांग डिफेंस हर परिस्थिति का सामना करने के लिए मजबूत की जा रही रक्षा प्रणाली

एरियल बम के दम पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाएंगे वायु सैनिक

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : विश्व के वर्तमान हालात और दुश्मनों की नई-नई तकनीकी रणनीतियों को ध्यान में रखकर भारतीय रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाया जा रहा है। इस दृष्टि से भारतीय थल, जल और वायु सेना को नई तकनीकी शक्तियों से लैस किया जा रहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इंडियन एयर फोर्स ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत से अवगत करा दिया था। कुछ समय के लिए पैदा हुए विषम हालात के मद्देनजर सभी समस्याओं को हल करने पर फोकस किया जा रहा है। बहुत कुछ किया जा चुका है। इस दृष्टि से हाल ही में भारतीय वायु सेना के लिए रक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत भारतीय वायु सेना अब दुश्मन के मजबूत ठिकानों पर छक्के छुड़ाने के लिए अपनी ताकत में बड़ा इजाफा करने जा रही है। वायु सेना ने 1000 किलोग्राम वजन वाले 600 शक्तिशाली एरियल बमों की खरीद की योजना बनाई है। इस मामले में खास बात यह है कि सेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार विदेशी कंपनियों के बजाय देश की ही हथियार निर्माता कंपनियों पर भरोसा जता रही है। यह पूरा प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।

1000 किलोग्राम वजन वाले 600 एरियल बमों को खरीदने की बनी योजना

अमेरिका के मशहूर एरियल बम एमके-84 के बराबर होगी इन बमों की ताकत

- 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इंडियन एयर फोर्स ने दुनिया को अपनी ताकत से कराया था अवगत
- 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने का बना प्रोजेक्ट

- देश की ही हथियार निर्माता कंपनियों पर अधिक भरोसा जता रही केंद्र सरकार
- स्वदेशी के अलावा विदेशी लड़ाकू विमानों से भी आसानी से दागे जा सकेंगे ये बम

60 फीसद भारतीय सामग्री का इस्तेमाल, प्रक्रिया पूरी होने में लगेंगे ढाई साल

वायुसेना को जिस शक्तिशाली बम की तलाश है, वह ताकत के मामले में अमेरिका के मशहूर एरियल बम 'एमके-84' के बराबर होगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने देश की कंपनियों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) मांगी है। इस पूरे प्रोजेक्ट को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले चरण में हथियार बनाने वाली कंपनियां इसके 6 प्रोटोटाइप यानी डमी और असली मॉडल तैयार करेंगी। इन बमों के कड़े परीक्षण किए जाएंगे। खास नियम यह है कि बम को बनाने में कम से कम 50 फीसद सामग्री भारतीय होनी चाहिए। इस चरण में पास होने के बाद दूसरे चरण में वायुसेना 600 बमों की बड़ी खरीद करेगी। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, 1000 किलो की श्रेणी वाले ये बम बेहद विनाशकारी होते हैं। इनका मुख्य काम युद्ध के समय दुश्मन के मजबूत बंकरों, सेना के बड़े गोदामों, इमारतों और एयरबेस के रन-वे को पूरी तरह से नेस्तनाबूद करना होता है। इस पूरी प्रक्रिया में करीब ढाई साल का समय लगेगा। इन बमों का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि इन्हें भारत के तेजस, राफेल के अलावा रूसी और अन्य विदेशी लड़ाकू विमानों से भी आसानी से दागा जा सकेगा।

अमेरिकी सेना ने समुद्री इलाके में कर रखी है नाकेबंदी

अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 13 जहाजों को लौटाया

NEW DELHI @ PTI : अपने पूर्व घोषित योजना के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी अमेरिकी सेना कर रही है। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 13 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, सोमवार से शुरू हुई इस नाकेबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। दूसरी ओर ईरान ने कहा कि नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है।

चार दिनों से एक भी जहाज ने क्रॉस नहीं किया होर्मुज

- ईरान ने चेताया नाकेबंदी नहीं हटाई गई तो खाड़ी इलाके में बाधित होगा व्यापार

जमीनी हमला हुआ तो सैनिकों को बंधक बनाएगा ईरान

अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने कड़ी चेतावनी दी है। ईरान के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा है कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान हजारों अमेरिकी सैनिकों को बंधक बना सकता है। रेजाई ने कहा कि ऐसी स्थिति में हर बंधक के बदले एक अरब डॉलर की मांग की जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट में नाकेबंदी लागू करने वाले अमेरिकी जहाजों को भी डुबोया जा सकता है। इस बीच ईरान और अमेरिका के बीच जारी बातचीत में कुछ प्रगति जरूर हुई है, लेकिन परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच बुनियादी मतभेद अब भी बने हुए हैं।

चतरा के जंगल से उठ रहीं आग की लपटें, वन संपदा को भारी नुकसान

भरही-केवलिया मुख्य मार्ग से दिख रही आग की भयावहता

सड़क के किनारे धू-धू कर जलते पेड़-पौधे

PHOTON NEWS CHATRA : जिले के प्रतापपुर वन क्षेत्र में भीषण आग लगी है। आग गुरुवार को भरही-केवलिया मुख्य मार्ग पर घने जंगलों और झाड़ियों में लगी। देखते ही देखते इसने विकराल रूप ले लिया। इसकी लपट तेजी से आगे बढ़ रही है। सूचना पाकर वन विभाग की टीम को मौके के लिए रवाना कर दिया गया है। धुएं का गुबार आसमान में छा गया था, जिसे दूर से देखा जा रहा था। आग के कारण वन संपदा एवं वन प्राणियों को भारी नुकसान पहुंचा है। पास से गुजर रही हाई-वोल्टेज बिजली की तारें भी खतरे में हैं। झाड़ियों से शुरू हुई आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया है। प्रतापपुर वन क्षेत्र का भरही-केवलिया मार्ग इस समय धधकती भट्टी में बदल गया है। आग के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसकी भीषण लपट और धुएं से आसपास के ग्रामीण दहशत में हैं। तेज हवा के कारण आग तेजी से जंगल के बड़े हिस्से में फैल रही है। आग की लपट पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाई-टेंशन बिजली की तारों को छू रही है। ग्रामीणों को भय है कि गर्मी और आग के कारण तार गलकर गिर न जाए। इससे न केवन जान-माल को बड़ा नुकसान होगा, बल्कि लोगों की परेशानियां काफी काफी बढ़ जाएंगी। इस आग में बहुमूल्य औषधीय वनस्पतियां और कई छोटे जीव-जंतु के जल जाने की भी आशंका है।

पति से विवाद के बाद बुजुर्ग पत्नी ने फांसी लगा कर दे दी जान

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाना क्षेत्र के पदापहाड़ मुंडासाई गांव में पति से विवाद के बाद 69 वर्षीय पत्नी मुक्ता बलमुचू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार शाम की है। गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिलने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार, जयराम बलमुचू और उसकी पत्नी मुक्ता बलमुचू के बीच बुधवार को दिन में किसी घरेलू बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि बुधवार शाम को घर के अन्य सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। घर पर अकेली मौजूद मुक्ता ने गुस्से में आकर घर नारियल की रस्सी बांधकर फांसी का फंदा बनाकर उससे झूल गई। कुछ देर बाद जब परिजन घर लौटे तो मुक्ता को फंदे से लटका पाया।

गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

पलामू में प्रज्ञा केंद्र की संचालक से तीन लाख लूटने वाले दो गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुंटार में 13 अप्रैल को प्रज्ञा केंद्र की संचालक शमा परवीन और उसके पति इसराफिल अंसारी को गोली मारकर अपराधियों ने तीन लाख रुपये लूट लिए थे। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक कट्टा और गोली भी बरामद किया है। इस मामले में डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने स्पेशल टीम का गठन किया था। इसी क्रम में टीम को सूचना मिली कि सभी आरोपी हुंटार के एक इलाके में पैसे के बंटवारे के लिए इकट्ठा होने वाले हैं। इसी सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी में रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुंटार के रहने वाले मुस्लिम अंसारी और मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के बारालोटा के रहने वाले आकाश कुमार को गिरफ्तार किया है।
दोनों के पास से कट्टा बरामद किया गया है। घटना में शामिल मुख्य आरोपी फरार है। गिरफ्तार मुस्लिम अंसारी का प्रज्ञा केंद्र के बगल में घर है। वही रेकी कर रहा था और अपराधियों को सूचना दे रहा था। सभी आरोपी एक जगह जमा होकर पैसा का बंटवारा करने वाले थे। वहीं मुख्य आरोपी ने फायरिंग की थी और लूट की रकम उसी के पास है। गिरफ्तार आरोपी आकाश कुमार पहले भी टाउन थाना क्षेत्र से एक आपराधिक घटना में जेल जा चुका है। छापेमारी में डीएसपी राजीव रंजन और रामगढ़ के थाना प्रभारी ओमप्रकाश साह समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे।

BRIEF NEWS

गिरिडीह में इंजीनियरिंग कॉलेज की रखी गई आधारशिला

GIRIDIH : गिरिडीह के पचम्बा थाना क्षेत्र स्थित जरीडीह में गुरुवार को इंजीनियरिंग कॉलेज की आधारशिला रखी गई। गिरिडीह सदर के विधायक सह मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू व गांडेय की विधायक-सह- मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना मुर्मू इसका शिलान्यास किया। इस अवसर पर गिरिडीह के डीसी रामनिवास यादव व एसपी डॉ. बिमल कुमार भी उपस्थित थे। भूमिपूजन के बाद मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि वादे के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार धरातल पर काम कर रही है। वादा किया था जिले को शिक्षा का हब बनाने का। इसकी शुरूआत इस इंजीनियरिंग कॉलेज से रख दी गई है। आगे गिरिडीह को और भी कई तोहफे मिलेंगे। मंत्री ने कहा यहां के बच्चों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। सब कुछ घर के पास ही मिलेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गिरिडीह जिले को बहुत कुछ दिया है। जब मेरा विधायक का कार्यकाल था और मैं अपनी मांगों को लेकर उनके पास जाता था तो शिक्षा के क्षेत्र में कभी उनकी तरफ से ना नहीं हुआ। एक प्रसंग का जिक्र करते हुए बताया कि जब मैं विधायक था और गिरिडीह कॉलेज के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ बैठा था, तो उसी समय उनके पास सूचना आयी कि सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी की स्वीकृति हो गई है। मुख्यमंत्री ने गिरिडीह कॉलेज के प्रांगण से यूनिवर्सिटी के सौगात की घोषणा की थी। 2024 में कल्पना सोरेन के जीतने के बाद मेरी ताकत बढ़ गई। गिरिडीह जिले में योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए मुख्यमंत्री की पत्नी सह विधायक की ताकत का बड़ा सहारा मिला। मुझे खुशी है कि सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी, गिरिडीह इंजीनियरिंग कॉलेज, लॉ कॉलेज, पॉलिटेक्निक इसी कैम्पस में होने जा रहा है। इसके साथ ही बुधवार को चार मेडिकल कॉलेज की मंजूरी हुई है, जिसमें गिरिडीह भी है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में गिरिडीह को अग्रणी बनाने के लिए बहुत कुछ दिया है।

रजरप्पा मंदिर परिसर से हटाया जा रहा अतिक्रमण

RAMGARH : प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर, रजरप्पा में गुरुवार से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हो गया। हाईकोर्ट के निर्देश पर इस अभियान के तहत चिह्नित 254 दुकानदारों में से अधिकतर ने प्रशासनिक कार्रवाई से पहले ही अपनी दुकानें खाली कर दी। मंदिर परिसर में मजिस्ट्रेट की तैनाती के साथ काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे। जिला प्रशासन अतिक्रमण हटाने के लिए 7 बुलडोजर लेकर मंदिर परिसर पहुंचा था। इसकी वजह से सुबह होते ही मंदिर परिसर की रौनक गायब हो गई। सजी-धजी दुकानों की जगह उदास चेहरा लिए दुकानदार अपना सामान समेट रहे थे। बजाया जाता है कि बुधवार को रात से ही कई दुकानदार अपने सामान छोटे-बड़े वाहनों से सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे थे। एक दुकानदार सुरेश साहू ने कहा कि यहां हमारी 50 साल पुरानी दुकान थी। यही हमारी रोजी-रोटी थी। अब अचानक सब खत्म हो गया। समझ नहीं आ रहा है कि आगे क्या करें। वे सिर्फ व्यापार नहीं करते थे, बल्कि मां छिन्नमस्तिका की सेवा से भी जुड़े हुए थे। श्रद्धालुओं को प्रसाद, फूल-माला और पूजन सामग्री उपलब्ध कराना उनके जीवन का हिस्सा था। इस तरह की पीड़ा अन्य दुकानदारों ने भी बताई।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो युवकों को कुचला, मौत

सड़क किनारे खड़े होकर कर रहे थे बातचीत, अचानक हुई दुर्घटना

राहुल चौधरी व नंदलाल राम की फाइल फोटो

PHOTON NEWS GARHWA : गढ़वा के महुलिया पंचायत में बुधवार की रात करीब 10.30 बजे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने दो युवकों की जान ले ली। रॉन्ग साइड से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े दो युवकों को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, महुलिया निवासी राहुल चौधरी (26) और नंदलाल राम (31) बुधवार रात महुलिया स्कूल के पास अपनी मोपेड के साथ खड़े थे। वे लोग अंबेडकर जयंती पर निकले जुलूस में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। इस दौरान वहां खड़े होकर दोनों आपस में बातचीत कर ही रहे थे कि तभी अंधेरे को चीरते हुए तेज रफ्तार ट्रैक्टर बालू अनलोड कर लौट रहा था। ट्रैक्टर ने दोनों युवकों को चपेट में ले लिया। टक्कर से राहुल चौधरी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल नंदलाल राम को जब तक ग्रामीण सदर अस्पताल लेकर पहुंचते, रास्ते में ही उसकी सांसें थम गईं। इस हादसे ने एक बार फिर प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात के 9 बजते ही गांव से लेकर शहर तक की सड़कों पर बालू माफिया का कब्जा हो जाता है। बिना बंदोबस्ती वाले घाटों से बालू का अवैध उठाव कर उसे ऊंचे दामों पर बेचने की होड़ में ट्रैक्टर चालक वाहनों को अंधाधुंध रफ्तार से दौड़ाते हैं। अधिक फेरे लगाने और ज्यादा कमाई के चक्कर में ये चालक यातायात नियमों को ताक पर रख देते हैं, जिसका खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है।

ऑटो-बाइक की टक्कर में दो की गई जान, चालक फरार

PALAMU : पलामू जिला अंतर्गत पलामू सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में बुधवार को देर रात ऑटो और बाइक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान हमीदगंज निवासी संतोष कुमार और जोरकट निवासी प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल (एमएमसीएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि प्रदीप कुमार बाइक पर सवार था, जबकि संतोष कुमार ऑटो में बैठा था। संतोष कुमार एलआईसी का एजेंट था। हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

गोड्डा: खेत में मिला युवक का शव, एक हिरासत में

GODDA : जिला अंतर्गत पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के नीमटोला अमुवार गांव में एक 45 वर्षीय आदिवासी युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। मृतक की पहचान बाबूजी हांसदा के रूप में की गई है। पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे हत्या का मामला मानते हुए जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना का खुलासा तब हुआ जब मृतक के परिजन घर के पीछे स्थित खेतों की ओर गए थे। वहां बाबू जी हांसदा का शव पड़ा देखा। इसके बाद परिजनों के शोर मचाने पर भारी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए और तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी महावीर पंडित दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि मृतक के गले और सिर पर चोट के गहरे निशान पाए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि गला दबाकर उसकी हत्या की गई है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिससे गुप्त स्थान पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने की बात कह रही है। मामले में फिलहाल पुलिस प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में रखा है और गहन अनुसंधान जारी है।

खूंटी में नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी हुआ फरार

KHUNTI : मुरहू थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पीड़िता फिलहाल खूंटी सदर अस्पताल में भर्ती है, जहां मेडिकल बोर्ड की ओर से उसकी जांच की जा रही है।
जानकारी के अनुसार घटना 13 अप्रैल की रात करीब 9 बजे की है। पीड़िता मुरहू में एक किराये के मकान में रहती है। आरोपित भी उसी के घर के पास ही किराए के मकान में रहता है। आरोप है कि आरोपित बच्ची को बहला-फुसलाकर कर सुनसान स्थान पर अर्धनिर्मित घर में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपित ने बच्ची को धमकी दी कि वह इस बारे में किसी को कुछ न बताए। दो दिनों के बाद 15 अप्रैल को बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसने मुरहू क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली अपनी बड़ी बहन को पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजन बच्ची को लेकर थाना पहुंचे, जहां उसके बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बच्ची को पहले मुरहू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, लेकिन वहां महिला चिकित्सक नहीं होने के कारण उसे तुरंत खूंटी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में पीड़िता के इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है और उसकी सुरक्षा में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

लातेहार से बहन के पास हजारीबाग आया था युवक छड़वा डैम में मिला शव

HAZARIBAG : लातेहार जिले के बालूमाथ निवासी गुड्डू तिवारी अपनी बहन के घर हजारीबाग आया था। लेकिन, बुधवार शाम से वह लापता था। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। गुरुवार को पेलावल थाना क्षेत्र स्थित छड़वा डैम से उसका शव बरामद किया गया। परिजनों ने बताया कि गुड्डू बुधवार को शाम से ही घर से लापता था। गुरुवार को डैम पर घूमने गए स्थानीय लोगों ने पानी में शव उपलाता देखा। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पेलावल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज- अस्पताल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, गुड्डू तिवारी का एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। इसे लेकर घर में विवाद हुआ था। इससे वह मानसिक तनाव में था। शव पर चोट के निशान भी मिले हैं, जिससे मामला संदिग्ध हो गया है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। पेलावल के थाना प्रभारी वेद प्रकाश ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

मेडिकल सर्टिफिकेट के नाम पर पैसे मांगने का आरोप, हंगामा

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद के सिविल सर्जन कार्यालय पर गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। यहां लोगों ने मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने के नाम पर पैसे मांगने का आरोप लगाया है। अभिभावकों ने बताया कि नवोदय और एकलव्य विद्यालय में नामांकन के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए बच्चे पांच दिनों से कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मेडिकल जांच तक नहीं हो सकी है। निरसा की जिला परिषद सदस्य पिंकी मरांडी और पूर्वी टुंडी की जिला परिषद सदस्य जोबा मरांडी ने भी कहा कि गरीब आदिवासी बच्चों से मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने के लिए 1500 रुपये की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पैसे नहीं दे पा रहे हैं, उनका सर्टिफिकेट नहीं बनाया जा रहा है। ये बच्चे पांचवीं और छठी कक्षा के हैं। नवोदय तथा एकलव्य विद्यालय में नामांकन के लिए 20 अप्रैल तक मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य है। देरी होने पर उनका नामांकन रुक सकता है।
मौके पर मौजूद भाजपा नेता राजीव ओझा ने भी आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि आदिवासी सरकार में आदिवासी बच्चों का ही काम नहीं हो पा रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने विद्यालय द्वारा जारी मेडिकल फॉर्मेट पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इतनी विस्तृत जांच की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों के दस्तावेज जमा कर लिए गए हैं और मेडिकल प्रक्रिया जारी है। जल्द ही जांच पूरी कर सभी को सर्टिफिकेट उपलब्ध करा दिया जाएगा।

अलर्ट जमशेदपुर शिक्षा विभाग ने जारी की चेतावनी- छात्रों का नहीं बनेगा 'अपार', होगी परेशानी

गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों में नामांकन पड़ सकता भारी

जिला शिक्षा विभाग की फाइल फोटो

शैक्षणिक पहचान का अभाव
बिना आधिकारिक यू-डायस कोड वाले स्कूलों में पढ़ने से छात्र की पूरी शैक्षणिक यात्रा रिकॉर्ड से बाहर रहेगी, जिसे भविष्य में किसी भी सरकारी या कानूनी प्रक्रिया में मान्य नहीं माना जाएगा और यहां पढ़ने वाले बच्चे सरकार के डाटा से बाहर होंगे।

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिले के अभिभावकों के लिए जिला शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में अपने बच्चों का नामांकन कराने से पहले अभिभावकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि संबंधित निजी स्कूल सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है या नहीं। गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य अधर में लटक सकता है। जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यदि कोई स्कूल मान्यता प्राप्त नहीं है, तो वहां पढ़ने वाले छात्रों को भविष्य में निम्नलिखित तीन प्रमुख तकनीकी और शैक्षणिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभिभावक केवल उन्हीं स्कूलों में दाखिला दिलाएं, जिनके पास वैध सरकारी मान्यता और यू-डायस कोड हो। यदि बच्चा पहले से किसी निजी स्कूल में पढ़ रहा है, तो अभिभावक तुरंत प्रबंधन से मान्यता संबंधी दस्तावेज दिखाने का अनुरोध करें। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और सुरक्षा के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य है।

अपार और पेन आईडी का न बनना : भारत सरकार के नए नियमों के अनुसार, अब हर छात्र की एक विशिष्ट पहचान– अपार आईडी (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) और पेन आईडी (परमानेंट एजुकेशन नंबर) होना अनिवार्य है। गैर-मान्यता प्राप्त स्कूल पोर्टल पर छात्र का डेटा दर्ज नहीं कर पाएंगे, जिससे ये आईडी जनरेट नहीं होंगी। ऐसे में यदि छात्र भविष्य में स्कूल बदलना चाहता है, तो यू-डायस पोर्टल पर रिकॉर्ड न होने के कारण ऑनलाइन स्थानांतरण (टीसी) संभव नहीं होगा। इसके बिना किसी भी प्रतिष्ठित स्कूल में दोबारा नामांकन लेना लगभग असंभव हो जाएगा।

युवक का शव बरामद हत्या की आशंका

KODERMA : पुलिस ने जिले के झुमरीतिलैया में गुरुवार सुबह एक युवक का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान गोलू श्रीवास्तव (28 वर्ष, पिता झूलन श्रीवास्तव, इंदरवा बस्ती) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, युवक का शव बाईपास पुल के समीप बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि यह सामान्य मौत या दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का मामला है। परिजनों ने मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि मृतक गोलू श्रीवास्तव बालू सप्लाई का कार्य करता था। ऐसे में पुलिस इसकी भी जांच कर रही है कि कहीं व्यवसायिक विवाद या आपसी रंजिश तो घटना की वजह नहीं है। पुलिस घटनास्थल की जांच कर आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

बाबाधाम के पुरोहितों ने मंदिर परिसर में किया विरोध-प्रदर्शन

DEOGHAR : बाबा बैद्यनाथ धाम का पंडा समाज काफी नाराज है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए गुरुवार को पंडा समाज ने मंदिर परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन कर रहे पुरोहितों ने कहा कि मंदिर प्रबंधन द्वारा की जा रही कार्रवाई स्थानीय पुरोहितों के खिलाफ है। एक तरफ मंदिर में काम कर रहे दुकानदारों को अवैध बताकर उन्हें बाहर कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर बाहर से आए लोगों को वीआईपी बताकर उन्हें पीछे के दरवाजे से पूजा कराया जाता है।
धरना प्रदर्शन पर बैठे नाराज पुरोहितों ने मंदिर प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्राचीन काल की बात छोड़ दें तो पिछले 500 वर्ष से ज्यादा समय से देवघर के बाबा मंदिर में पंडा समाज का इतिहास है। यहां के पंडा मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के भरोसे ही अपना जीवन यापन करते हैं। कोई फोटोग्राफी करता है तो कोई यजमानों को संकल्प कराता है। पुरोहितों की पीढ़ी दर पीढ़ी मंदिर और जजमानों की सेवा में ही लगे हुए हैं।
ऐसे में अगर यहां का प्रशासन पंडा समाज को ही मंदिर में प्रवेश करने पर नियंत्रण लगा देगा, तो इससे सिर्फ पंडा ही नहीं बल्कि उनका पूरा परिवार प्रभावित होगा।
इसको लेकर पंडा धर्मरक्षिणी सभा की तरफ से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है और मांगें रखी गयीं। जिसमें कहा गया कि मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन अपनी कार्यशैली में सुधार लाए, ताकि मंदिर के भरोसे जीवनयापन करने वाले पुरोहित समाज को किसी तरह के कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचा नक्सलियों के खिलाफ जोरदार अभियान

सारंडा वन क्षेत्र में अंतिम रूप से सुरक्षा बलों की कार्रवाई तेजी से बढ़ रही आगे, बचे हुए नक्सली लगातार बदल रहे ठिकाना

पुलिस को लगातार मिल रही कामयाबी, 2025 में मारे गए 32 नक्सली, 30 ने डाले हथियार, 279 को किया गया गिरफ्तार

- पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ के नक्सली नेता झारखंड के कैडरों पर हैं हावी
- जनवरी 2025 से मार्च 2026 तक अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गए 58 नक्सली
- समय-समय पर 45 नक्सलियों ने हथियार छोड़कर अपनाया मुख्यधारा का रास्ता

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार की ओर से पूर्व में घोषित 31 मार्च 2026 की तिथि नक्सलवाद के सफाए को लेकर तय की गई थी। इस डेडलाइन के समाप्त होने के बाद झारखंड में सुरक्षा एजेंसियों का अभियान अब अपने अंतिम और निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। राज्य का लगभग 95 प्रतिशत इलाका नक्सल मुक्त हो चुका है, जबकि बचे हुए इलाकों, खासकर सारंडा वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। कार्रवाई तेज गति से आगे बढ़ रही है। इसमें दो राय नहीं हो सकता है कि झारखंड में अभी भी नक्सलियों का अस्तित्व बरकरार है। यह क्षेत्र आज भी इनाम घोषित नक्सलियों का पनाहगाह बना हुआ है। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने स्पष्ट किया कि राज्य में नक्सलियों के खात्मे का अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है। हमारी पूरी ताकत सारंडा में लगी हुई है। एक बड़ा हिट झारखंड से नक्सलियों को पूरी तरह साफ कर देगा और यह बहुत जल्द होगा। झारखंड पुलिस मुख्यालय के अनुसार, सरिंडा क्षेत्र में बचे हुए नक्सली लगातार अपना ठिकाना बदल रहे हैं और सुरक्षा बल उनके पीछे लगे हुए हैं। आईजी अभियान ने बताया कि कई नक्सली सरेंडर करने के लिए संपर्क कर रहे हैं और जल्द ही उनका समर्पण भी होगा।

राज्य के बाहर के नक्सली अधिक प्रभावी

झारखंड पुलिस मुख्यालय के अनुसार, सारंडा में एक करोड़ के इनामी नक्सली असीम मंडल उर्फ आकाश और मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर के साथ लगभग 48 नक्सली मौजूद हैं। नक्सलियों की लिस्ट भताती है कि नक्सल संगठन मुख्य रूप से सीपीआई (माओवादी) के आसपास सिमट गए हैं, लेकिन टीपीसी, पीएलएफआई, जेजेएमपी जैसे स्प्लिंटर ग्रुप भी सक्रिय हैं। ज्यादातर नक्सली झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा के बॉर्डर क्षेत्रों से जुड़े हैं। झारखंड में नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व पर अभी भी बाहरी राज्यों के नक्सल कमांडरों का वर्चस्व है। पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ के नक्सली नेता झारखंड के कैडरों पर हावी हैं। झारखंड के कुछ नक्सली कमांडरों को छोड़ दें तो अधिकतर कैडर और कमांडर का संगठन में कोई खास पूछ नहीं है। झारखंड के नक्सली कैडर भी अंदर ही अंदर बाहरी लोगों से खफा हैं। हाल के एनकाउंटरों में बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने से संगठन में काफी आक्रोश है। बाहरी राज्यों बिहार, छत्तीसगढ़ और बंगाल के कई माओवादी वर्तमान में झारखंड में सक्रिय हैं। नई इनामी लिस्ट से भी इसकी पुष्टि होती है कि झारखंड में बाहरी राज्यों के कमांडरों का वर्चस्व कायम है। बाहरी राज्यों के 21 नक्सली झारखंड में एक लाख से एक करोड़ तक के इनामी हैं। 2025 झारखंड पुलिस के लिए नक्सल फ्रंट पर बेहद कामयाब वर्ष रहा। इस वर्ष 32 नक्सली एनकाउंटर में मारे गए, 30 ने हथियार डाले और 279 को गिरफ्तार किया गया। 2001 से 2025 तक कुल 235 नक्सली एनकाउंटर में मारे गए, जिनमें से 32 सिर्फ 2025 में मारे गए थे।

ऑपरेशन मेगाबुरु और डबल बुल से टूटा गढ़

आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बताया कि वर्तमान समय में कुछ महिला नक्सलियों के साथ-साथ ऐसे कैडर बचे हुए हैं, जिनमें से अधिकतर बाहर के हैं। पिछले डेढ़ साल में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। जनवरी 2025 से मार्च 2026 तक 58 नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए हैं, जबकि 45 नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा का रास्ता अपनाया है। ऑपरेशन मेगाबुरु और ऑपरेशन डबल बुल के तहत उन इलाकों में भी घुसपैठ कर कार्रवाई की गई, जिन्हें कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था। एक समय था जब झारखंड के आधा दर्जन जिलों में एक ही जिले में 20 से ज्यादा नक्सल कांड दर्ज होते थे। अब ज्यादातर दर्ज मामले नक्सलियों के एनकाउंटर और गिरफ्तारी से जुड़े हैं। जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच मारे गए 58 नक्सलियों में 2025 के 41 और 2026 में अब तक 17 शामिल हैं। 22 जनवरी 2026 को पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में पोलित ब्यूरो सदस्य पतिराम मांझी उर्फ अनल दा (जिस पर कुल 2।35 करोड़ रुपये का इनाम था) के मारे जाने से नक्सली संगठन को बड़ा झटका लगा। इसके अलावा बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के सदस्य अनमोल उर्फ सुशांत (90 लाख का इनाम) भी मुठभेड़ में मारा गया।

BRIEF NEWS

युवती से छेड़छाड़, युवक पुलिस की हिरासत में

RANCHI : राजधानी रांची के सदर थाना इलाके में एक छेड़खानी का मामला सामने आया है। एक युवक युवती के साथ छेड़खानी कर रहा था। जिसके बाद आसपास के लोग जमा हो गए और भीड़ ने युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले को लेकर कई लोग सदर थाना पहुंचे हैं। वहीं, युवक को थाना में रखा गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले को लेकर सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान इस बात की जानकारी मिली है कि ये लोग बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड है। युवक से थाने में पूछताछ चल रही है और इस मामले का पता लगाया जा रहा है।

कल मजदूर संगठनों की एकजुटता रैली

RANCHI : देशभर में चल रहे मजदूर आंदोलनों और उन पर हो रहे दमन के विरोध में झारखंड के प्रमुख मजदूर संगठनों ने 18 अप्रैल को रांची में एकजुटता रैली निकालने का निर्णय लिया है। यह फैसला भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यालय में एटक, इंटक, सीटू, एक्टू समेत विभिन्न संगठनों की बैठक में लिया गया। जयपाल सिंह स्टेडियम से जुलूस निकालकर अल्बर्ट एक्का चौक तक मार्च किया जाएगा। बैठक में कहा गया कि गुड़गांव, मानेसर, नोएडा, फरीदाबाद समेत कई औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर कम वेतन और खराब कार्य परिस्थितियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं।

मेयर रोशनी खलखो की अध्यक्षता में हुई रांची नगर निगम बोर्ड की बैठक

बिल्डिंग मैटेरियल उठाव का बढ़ा रेट अब चुकाने होंगे ₹600 प्रति ट्रैक्टर

पार्षदों ने बताई समस्याएं, वेंडर मार्केट में दुकानों के आवंटन में गड़बड़ी का उठा मुद्दा

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को रांची नगर निगम में बोर्ड की बैठक हुई। अध्यक्षता मेयर रोशनी खलखो ने की। इस दौरान शहर से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक से पहले मेयर, डिप्टी मेयर व पार्षदों का स्वागत किया गया। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने प्रोटोकॉल के तहत मेयर को बैठक के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याएं बोर्ड के सामने रखी। पार्षदों ने बताया कि पिछले साढ़े तीन सालों से चुनाव और बोर्ड की बैठक नहीं होने के कारण जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा था। बैठक में 8 एजेंडों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। नगर निगम ने बिल्डिंग मैटेरियल उठाव की दर में वृद्धि कर दी है। अब 300 रुपये प्रति ट्रैक्टर की जगह इसे बढ़ाकर 600 रुपया कर दिया है। निगम बोर्ड की बैठक के दौरान ये निर्णय लिया गया है। निगम के पदाधिकारियों ने कहा कि 10 साल पहले नगर निगम द्वारा 300 रुपया लेकर बिल्डिंग मैटेरियल का उठाव करता था। लेकिन अब महंगाई बहुत बढ़ गई है। अब कोई भी व्यक्ति अपने घर से निकले बिल्डिंग मैटेरियल का उठाव निगम के वाहन से कराएगा तो उसे 600 रुपये प्रति ट्रैक्टर के दर से चार्ज देना होगा।

वार्ड पार्षदों ने किया हंगामा

बैठक के दौरान वेंडर मार्केट को लेकर पार्षदों ने हंगामा किया। वार्ड पार्षद सुनील यादव ने कहा कि कचहरी रोड में वेंडर मार्केट बनाकर 400 से अधिक फुटपाथ दुकानदारों को दुकानें आवंटित की गई हैं। लेकिन, दुकान आवंटन में मनमानी की गई है। एक ही परिवार के चार-चार लोगों को दुकानें आवंटित कर दी गई है, जबकि कई लोगों को अब तक दुकानें ही नहीं मिली हैं। वहीं अन्य पार्षदों ने कहा कि मार्केट के सारे दुकानदारों की मनमानी चरम पर है। दुकान मिलने के बाद भी ये फुटपाथ छोड़ने को तैयार नहीं हैं। कई पार्षदों ने कहा कि इनकी मनमानी इस कदर बढ़ी हुई है कि ये खुद को अब मालिक समझने लगे हैं।

विधायक की अनुशंसा पर नहीं हुआ काम

बैठक के दौरान नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने पार्षदों को बताया कि रांची शहर के विकास को लेकर नगर निगम आईआईटी रुड़की को एडवाइजर बनाना चाहता है। इस पर मेयर ने कहा कि पहले यह तय हो जाना चाहिए कि एडवाइजर बनाने के बदले में आईआईटी रुड़की को हम क्या देंगे। जब तक यह फैसला नहीं हो जाता है, तबत क इसे होल्ड पर ही रखा जाए। बैठक में विधायक सीपी सिंह ने कहा कि पिछले तीन सालों में उन्होंने अपने विधायक फंड से कई कामों की अनुशंसा की है। लेकिन निगम द्वारा अब तक इन कार्यों को धरातल पर नहीं उतारा गया है। ऐसे में पार्षदों के अनुशंसा को अधिकारी कितनी गंभीरता से लेंगे यह सोचने वाली बात है। उन्होंने निगम से मांग करते हुए कहा कि सीवरेज-ड्रेनेज व अन्य कार्यों के लिए जहां भी सड़कों की खुदाई की गयी है। उन सड़कों की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए।

मेयर ने बनाई 10 सदस्यों की जांच कमेटी

पार्षदों की मांग पर मेयर रोशनी खलखो ने इसकी जांच के लिए 10 सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। इसमें मेयर के अलावा डिप्टी मेयर, निगम के तीन अफसर व पांच पार्षद रहेंगे। जांच में अगर दुकानों के किराए पर लगाने की पुष्टि होती है, तो आवंटन को रद्द किया जाएगा। वहीं एक परिवार के एक से अधिक लोगों की दुकान पाए जाने पर इनका भी आवंटन रद्द किया जायेगा। बैठक में अपर बाजार व बहु बाजार की दुकानों के किराये के वृद्धि के प्रस्ताव को फिलहाल टाल दिया गया। मेयर ने कहा कि इसपर विस्तार से चर्चा करना जरूरी है। इसलिए दर वृद्धि पर फैसला अगली बैठक में लिया जाएगा।

NEWS BOX

एस्कॉट इंटरनेशनल की सारिया बनी स्कूल टॉपर

RANCHI : एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रौशन किया है। स्कूल के सत प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। स्कूल की छात्रा सारिया परवीन ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर तरन्नुम परवीन रहीं, उसने 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं, हिमांशु कुमार ने 92 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्कूल के प्राचार्य शादान आलम ने इसे स्टूडेंट्स की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम बताया। वहीं, निदेशक कुणाल कश्यप ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जैक बोर्ड : 8वीं का रिजल्ट जारी, 93.31% बच्चे पास

RANCHI : गुरुवार को झारखंड बोर्ड 8वीं का रिजल्ट जारी हुआ। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने वेबसाइट पर रिजल्ट जारी किया है। इस साल परीक्षा में शामिल हुए छात्रों में से 93.31 फीसदी परीक्षार्थी सफल हुए हैं। छात्र नीचे दिए स्टेप्स से रिजल्ट चेक कर सकते हैं। करीब 5 लाख छात्रों ने इस परीक्षा में हिस्सा लिया था। परीक्षा मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित की गई थी। रिजल्ट जारी होने के बाद अब छात्रों का 9वीं कक्षा में नामांकन शुरू हो सकेगा, जो रिजल्ट का इंतजार होने की वजह से रुका हुआ था। 8वीं का रिजल्ट जारी होते ही अब छात्रों के 9वीं में एडमिशन की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। कई स्कूलों में नामांकन प्रक्रिया रिजल्ट के इंतजार में रोकी गई थी। अब सफल छात्र अगले क्लास में प्रमोट होकर एडमिशन ले सकेंगे।

बच्ची के साथ गलत हरकत, आरोपी गिरफ्तार

RANCHI : राजधानी रांची में तीन साल की बच्ची के साथ गलत हरकत करने का मामला सामने आया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इरफान के रूप में की गई है। वह पेशे से वैन ड्राइवर है और हिंदपिढ़ी का रहने वाला है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि इरफान ने बच्ची को बहला फुसलाकर इस वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद बच्ची काफी डरी-सहमी हुई थी। घर वालों ने पूछताछ की तो बच्ची ने इस पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद परिवार वालों ने थाना में पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। इरफान पर बीएनएस की धारा 74/351(2) और पोस्को की धारा 8/12 के तहत केस दर्ज किया गया है।

कांके रोड के ज्वेलरी शॉप से लाखों के जेवरात लेकर चोर फरार, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI : जिले के कांके रोड स्थित ज्वेलरी शॉप को में चोरों ने निशाना बनाया है। मामला गोंदा थाना क्षेत्र स्थित सीएमपीडीआई इलाके का है। यहां ज्वेलरी शॉप से लाखों के सोने-चांदी के जेवर लेकर चोर फरार हो गए। इसके बाद गोंदा थाने की पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई। पुलिस के अनुसार, दीवार के ऊपरी हिस्से को काटकर ज्वेलरी शॉप में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। दुकान से कितने सोने-चांदी के जेवरों की चोरी हुई है, इसका आकलन किया जा रहा है। आपको बता दें कि पिछले सप्ताह भी अपराधियों ने हथियार के बल पर हरिहर सिंह रोड में ज्वेलरी शॉप में लूटपाट की थी। हालांकि इस मामले में पुलिस ने सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

झारखंड शराब घोटाला : दो आरोपियों की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

RANCHI : झारखंड शराब घोटाले के आरोपी अरुण पति त्रिपाठी और अरविंद कुमार की अग्रिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। इसके बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से सिनियर स्टेडिंग काउंसिल सुमित गडोदिया ने पक्ष रखा। इससे पूर्व एसीबी की विशेष कोर्ट ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। बता दें कि झारखंड में हुए शराब घोटाला की जांच में अरुण पति त्रिपाठी की संलिप्ता पाई गई है। सरकार के उत्पादन नीति के वे सलाहकार रहे हैं। झारखंड में बनी शराब नीति निर्माण में अरुणपति त्रिपाठी की अहम भूमिका रही है। उन्होंने तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे से मिलीभगत कर छत्तीसगढ़ के कई प्लेसमेंट एजेंसियों की झारखंड में इंट्री कराई थी।

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक : 20 आरोपियों की बेल पर सुनवाई, कोर्ट ने मांगी केस डायरी

RANCHI : उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा से जुड़े पेपर लीक मामले गिरफ्तार कर जेल भेजे गए 20 आरोपियों की जमानत याचिका पर एजेसी योगेश कुमार की कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने केस डायरी मांगी है। अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। बता दें कि पेपर लीक मामले के आरोपी सुनील कुमार, किशोर कुमार, सन्नी राम, रविंद्र कुमार, दलील कुमार, शशिकांत, अभिषेक कुमार सहित अन्य ने रांची सिविल कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। सभी विद्यार्थी हैं। उनकी ओर से कहा गया है कि साजिश के तहत उन्हें फंसाया गया है। दलील दी गई है कि उन पर आपराधिक मुकदमा न चलाया जाए, इससे उनका शैक्षणिक करियर समाप्त हो जाएगा।

रांची विश्वविद्यालय ने नर्सिंग छात्रों को दी राहत अब 20 अप्रैल तक करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

RANCHI : रांची विश्वविद्यालय ने नर्सिंग कोर्स के छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि में संशोधन किया है। बीएससी बेसिक नर्सिंग (2024-28) बीएससी पोस्ट बेसिक नर्सिंग (2024-26) और एमएससी नर्सिंग (2024-26) सत्र के छात्रों को अब आवेदन जमा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। नए निर्देश के मुताबिक छात्र 20 अप्रैल 2026 तक बिना विलंब शुल्क के रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।

घर से 100 मीटर की दूरी पर कुएं से बरामद हुआ था महिला का शव

दहेज हत्या मामले में पति, सास, ससुर व देवर को उम्रकैद, 10-10 हजार का जुर्माना

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को साल 2021 के दहेज हत्या मामले में महिला के पति, सास, ससुर और देवर को अपर न्याययुक्त अरविंद कुमार की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने जिन्हें सजा सुनाई है, उनमें महिला के पति शीतल साहू, सास शीला देवी, ससुर रामचंद्र साहू और देवर सुजीत साहू शामिल हैं। दरअसल श्वेता रानी की शादी नारकोपी थाना क्षेत्र के खुखरा कोलपारा गांव निवासी शीतल साहू से हुई थी। शादी के बाद उसके ससुराल वाले उसे दहेज के लिए मारपीट और प्रताड़ित करते थे। यह मामला अदालत तक भी पहुंचा था। इसके बाद दोनों परिवार के बीच सुलह समझौता की पेशकश हुई थी। 6 अक्टूबर 2021 को ससुराल वाले ने मृतका के भाई को फोन पर सूचना दी कि श्वेता कही भाग गई है। खबर मिलने के बाद श्वेता रानी के मायके वाले खुखरा गांव पहुंचे और काफी खोजबीन की। इसी दौरान घर से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक कुएं से श्वेता का शव बरामद हुआ था। इस मामले को लेकर मृतका के भाई ने महिला के पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया था।

राष्ट्रीय स्तर की कई एजेंसियों ने दिए सुझाव

राजधानी में नदियों और तालाबों को बनाया जाएगा स्वच्छ, लोगों से सहयोग की अपील

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में नदियों के अलावा अन्य जलस्रोतों की सूरत बदलने वाली है। इसे लेकर गुरुवार को रांची नगर निगम में अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान के तहत स्टेक होल्डर वर्किंग ग्रुप की एक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने की। उन्होंने बताया कि शहर के जलस्रोत खासकर नदियों पर हमारा फोकस है। उसे साफ और स्वच्छ बनाया जाएगा। इसमें केवल नगर निगम ही नहीं आमलोगों का भी सहयोग लिया जाएगा। जल स्रोतों के किनारे रहने वाले लोगों से विशेष सहयोग लेने की तैयारी है। जिससे कि नदी के किनारों को स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा। जहां लोग जाकर कुछ समय अपनों के साथ बिता सकेंगे। नगर आयुक्त ने बताया कि रांची में स्वच्छता अभियान को मजबूती देने के लिए शहर की नदियों और तालाबों को साफ-सुथरा बनाने की योजना बनाई जा रही है। स्वर्णरेखा और हरमू नदियों में गिरने वाले कचरे को रोकने के लिए लोगों से सहयोग की भी अपील की गई है। इस योजना का मकसद न सिर्फ जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त करना है, बल्कि शहर के पर्यावरण और जीवन स्तर को भी बेहतर बनाना है।

आईआईटी खड़गपुर से भी आई थी टीम

इस संदर्भ में आईआईटी खड़गपुर की टीम ने राजाधानी का निरीक्षण किया और उन्होंने नदी व तालाबों के स्वच्छता को लेकर तकनीकी सुझाव दिए। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की कई एजेंसियों ने भी बैठक में अपने सुझाव दिए, जिसमें जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए दिशा-निर्देश साझा किए गए। इसके अलावा शहर के इंजीनियरिंग और अन्य शिक्षण संस्थानों के युवा भी इस अभियान में अपनी भागीदारी कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न तरीकों से अपने सुझाव और विचार साझा किए, जिनमें जल स्रोतों की सफाई, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता को बढ़ावा देने वाले मॉडल शामिल थे।

पारदर्शिता के साथ लागू हो महिला आरक्षण : कांग्रेस

RANCHI : महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए केंद्र सरकार के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला सशक्तिकरण की समर्थक रही है और महिलाओं को राजनीति में समुचित प्रतिनिधित्व देने के पक्ष में मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय को जिस तरह से केंद्र सरकार ने प्रस्तुत किया है, वह कई गंभीर चिंताएं पैदा करता है। कांग्रेस का मानना है कि महिला आरक्षण केवल राजनीतिक घोषणा या चुनावी रणनीति नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाना चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती है, तो इस आरक्षण को बिना किसी अनावश्यक शर्त और देरी के लागू किया जाना चाहिए।

टेक्नोलॉजी की मदद — आसान होगी सफर की राह, उपलब्ध कराई जाएगी स्मार्ट सुविधा

हजयात्रा में हाजियों के लिए सुरक्षा कवच बनेगा एआई बैंड

हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी किए गए हैं नए और कड़े दिशा-निर्देश

यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर पल-पल नजर रखने का किया गया है इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : मुकद्दस यानी पवित्र हजयात्रा पर जाने वाले जायरीनों के लिए इस बार सफर की राह काफी अलग और हाईटेक नजर आएगी। पहले की अपेक्षा यह सफर आसान होगी और हाजियों को स्मार्ट सुविधा भी मिलेगी। 20-21 अप्रैल से विधिवत शुरू होने वाली इस यात्रा के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने नए और कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मदरसा फैजुल उलूम से हजयात्रा पर जाने वाले आजमीन-ए-हज की उड़ान 20-21 अप्रैल को होगी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, विशेषकर ईरान और इजरायल के बीच जारी टकराव को देखते हुए भारत सरकार ने इस साल हजयात्रा को पूरी तरह डिजिटल और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने का निर्णय लिया है। इस बार पूरी व्यवस्था को सेंट्रलाइज्ड कर दिया गया है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर पल-पल की नजर रखी जा सके। हज कमेटी ने सभी को निर्देश दिया है कि वे अपने स्मार्ट बैंड को हमेशा चार्ज रखें और यात्रा के दौरान इसे अनिवार्य रूप से पहनें। इस बार सभी हज यात्रियों को पारंपरिक सुविधाओं के साथ-साथ अत्याधुनिक एआई तकनीक से लैस स्मार्ट बैंड दिया जाएगा। यह डिवाइस प्रत्येक यात्री के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करेगी।

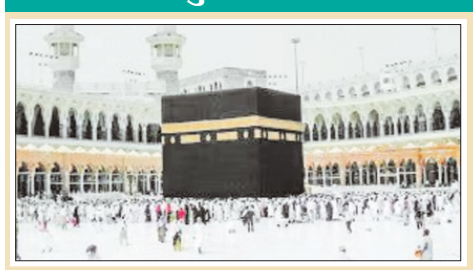

अपने पास सुरक्षित रखना होगा मूल पासपोर्ट

झारखंड राज्य हज समिति ने हज 2026 के चयनित जायरीनों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हज कमेटी ऑफ इंडिया के सर्कुलर नंबर 34 के आलोक में जारी इन निदेर्शों के अनुसार, इस बार यात्रियों को अपना मूल पासपोर्ट किसी कार्यालय में जमा करने के बजाय स्वयं अपने पास सुरक्षित रखना होगा। एम्बारकेशन प्वाइंट (प्रस्थान स्थल) पर रिपोर्टिंग के समय मूल पासपोर्ट प्रस्तुत करने पर ही यात्रा दस्तावेज जारी किए जाएंगे। पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2026 तक होनी चाहिए और उसमें कम से कम दो खाली पेज होने अनिवार्य हैं।

बटन को दबाते ही कंट्रोल रूम को तुरंत मिल जाएगा अलर्ट

इस बैंड में एक विशेष इमरजेंसी बटन दिया गया है। यदि कोई यात्री भीड़ में खो जाता है या अचानक उसकी तबीयत खराब होती है, तो इस बटन को दबाते ही कंट्रोल रूम को तुरंत अलर्ट मिल जाएगा। इससे रिस्पॉन्स टीम बेहद कम समय में जायरीन तक पहुंच सकेगी। यह स्मार्ट बैंड यात्रियों की रियल-टाइम लोकेशन ट्रैक करेगा। हज के दौरान भारी भीड़ में अक्सर लोग अपने समूह से बिछड़ जाते हैं, जिसे अब इस तकनीक की मदद से तुरंत ढूंढा जा सकेगा। साथ ही यह डिवाइस यात्रियों के ब्लड प्रेशर, हार्ट रेट और ऑक्सीजन लेवल जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानकों की भी निगरानी करेगा। तबीयत बिगड़ने की स्थिति में मेडिकल टीम को पहले ही सूचना मिल जाएगी, जिससे समय रहते उपचार शुरू किया जा सके। इस व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव कुबार्नी को लेकर किया गया है। अब कोई भी हाजी निजी स्तर पर बाजार से जानवर खरीदकर कुबार्नी नहीं दे सकेगा। सऊदी अरब सरकार ने फोटो वाली ठगी और गंदगी को रोकने के लिए नुसुक मसार पोर्टल अनिवार्य कर दिया है।

समाचार सार

घाटशिला कॉलेज में धूमधाम से मना बांग्ला नववर्ष

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में बांग्ला विभाग ने गुरुवार को धूमधाम से बांग्ला नववर्ष मनाया। बांग्ला वर्षवरण उत्सव के उद्घाटन से पूर्व कॉलेज परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कॉलेज परिसर से निकलकर यह शोभायात्रा कॉलेज रोड स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रतिमा स्थल तक गई। वहां नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद विभूति स्मृति संसद परिसर आकर विभूति भूषण बंदोपाध्याय की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। वहां से शोभायात्रा कॉलेज पहुंची, जहां रवींद्रनाथ टैगोर, शरतचंद चट्टोपाध्याय व काजी नजरुल इस्लाम के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद समारोह शुरू हुआ। इसमें गीत, संगीत व नृत्य के साथ छात्र-छात्राओं ने भव्य प्रस्तुति दी। इस दौरान बांग्ला विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप चंद्र की पुस्तक बांग्ला साहित्येर बहुमात्रिक पाठ का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय में बांग्ला की विभागाध्यक्षा डॉ. संचिता भुई सेन शामिल हुईं। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि व प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पार्षद देवयानी मुर्मू, घाटशिला प्रखंड की प्रमुख सुशीला टुडू, पावड़ा पंचायत की मुखिया पार्वती मुर्मू, अधिवक्ता काउंसिल के अध्यक्ष राकेश शर्मा, घाटशिला विभूति स्मृति संसद के अध्यक्ष देवी प्रसाद मुखर्जी एवं गौरीकुंज उन्नयन समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी भी उपस्थित थे।

जमशेदपुर पहुंची भगवान परशुराम की प्रतिमा

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा स्थित परशुराम भवन में भगवान परशुराम की प्रति 19 अप्रैल को स्थापित की जाएगी। राजस्थान की राजधानी जयपुर में निर्मित यह प्रतिमा गुरुवार को जमशेदपुर पहुंच गई। यह प्रतिमा बागबेड़ा स्थित परशुराम भवन में रखी गई है। बताया जा रहा है कि करीब 1.80 लाख रुपये में निर्मित संगमरमर की यह प्रतिमा काफी भारी है। इसके वजन को देखते हुए इसे वाहन से उतारने के लिए विशेष उपकरण और वाहन की सहायता लेनी पड़ी। ब्राह्मण युवा शक्ति संघ के संस्थापक अप्पू तिवारी ने बताया कि भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव के अवसर पर 19 अप्रैल को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमा को परशुराम भवन में स्थापित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं पूर्व संध्या पर 18 अप्रैल को जुगसलाई से बागबेड़ा तक शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल आयोजन स्थल पर प्रतिमा स्थापना को लेकर सौंदर्यीकरण और अन्य आवश्यक कार्य अंतिम चरण में हैं। आयोजन को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष सजावट की जा रही है, ताकि यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन सके। प्रतिमा लाने-रखने में विमलेश उपाध्याय, आनंदी ओझा, रामनाथ दुबे, मुन्ना मिश्रा, महेश मिश्र,अंकित आनंद, पवन ओझा, सोनू झा, रंजीत झा,समेत अन्य सक्रिय रहे।

बागबेड़ा में डोर-टू-डोर कचरा उठाव शुरू

JAMSHEDPUR : पोटका के विधायक संजीव सरदार एवं उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने घरेलू कचरा संग्रहण के लिए गुरुवार को विशेष वाहन समाहरणालय से रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य बागबेड़ा क्षेत्र में घर-घर से कचरे का नियमित संग्रहण सुनिश्चित करते हुए साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था स्थापित करना है, जिससे क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर बनाया जा सके। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि नागरिकों को अपने घरों का कचरा इधर-उधर नहीं फेंकना पड़ेगा, बल्कि निर्धारित समय पर वाहन उनके घरों के पास पहुंचेगा, जहां वे अपने घरेलू कचरे को सीधे वाहन में दे सकेंगे। इससे न केवल गंदगी पर नियंत्रण होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। बागबेड़ा क्षेत्र के नागरिक इस पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें। उपायुक्त ने कहा कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था स्वच्छता प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही इस पहल को सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर उपविकास आयुक्त नागेंद्र पासवान, डीटीओ धनंजय, गोलमुरी सह जुगसलाई के बीडीओ सुमित प्रकाश व अन्य उपस्थित थे।

सारंडा में नक्सल विरोधी अभियान तेज आईईडी ब्लास्ट में एक जवान घायल

एयरलिफ्ट कर भेजा गया रांची, काफी संख्या में बुलाए गए अतिरिक्त पुलिस व अर्धसैनिक बल

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का व्यापक अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को सुबह करीब 8.30 बजे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हुए एक और आईईडी विस्फोट कर दिया। इस धमाके में कोबरा बटालियन-210 के जवान अभिनव कुमार मित्तल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया।

यह घटना छोटानागरा थाना क्षेत्र में हुई है, जहां बुधवार सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच लगातार मुठभेड़ हो रही है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह से ही बालिबा और आसपास के इलाकों में रुक-रुक कर दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। बुधवार को हुई मुठभेड़ में भी सुरक्षाबलों के पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें इलाज के लिए रांची एयरलिफ्ट किया गया था।

प्रतीकात्मक तस्वीर

ताजा आईईडी ब्लास्ट के बाद इलाके में तनाव और सतर्कता दोनों बढ़ गई है। हालांकि सूत्रों के अनुसार, सुरक्षाबलों को इस अभियान में कुछ अहम सफलता भी मिली है और कई नक्सलियों के हताहत होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस ऑपरेशन में कुख्यात नक्सली नेता मिसिर बेसरा की घेराबंदी कर दी गई है और सुरक्षाबल उसे चारों ओर से दबोचने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि उसके साथ अन्य शीर्ष नक्सली भी इलाके में मौजूद हैं। सुरक्षाबल इस अभियान को निर्णायक ऑपरेशन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। इसके लिए काफी संख्या में अतिरिक्त पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान बुलाए गए हैं। अधिकारियों का मानना है कि सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों की संख्या अब काफी कम रह गई है और उनकी गतिविधियां फिलहाल छोटानागरा थाना क्षेत्र तक सीमित हो गई हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह अभियान बड़ी सफलता दिला सकता है और सारंडा को नक्सल गतिविधियों से मुक्त किया जा सकेगा।

एक करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा समेत 53 नक्सली घेरे में, आत्मसमर्पण करने की सुगबुगाहट

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में बुधवार को सुबह से जारी मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने भाकपा-माओवादी के एकमात्र जीवित पोलित ब्यूरो मेंबर और एक करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा समेत 53 नक्सलियों को घेर लिया है। झारखंड और ओडिशा पुलिस के संयुक्त अभियान में करीब 5,000 जवानों ने 8 से 10 किलोमीटर के दायरे में घेराबंदी की हुई है। सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह चडराबेड़ा इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की सूचना है। वहीं अब तक सुरक्षाबलों के 6 जवान घायल हुए हैं, जिनका इलाज रांची में चल रहा है। इसके बाद से ही सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को सील कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मिसिर बेसरा का दस्ता लगातार जगह बदल रहा था। बाबूडेरा और छोटानागरा से ओडिशा से सटे इलाके में भागने की फिराक में था। लेकिन, ओडिशा पुलिस की भी घेराबंदी के कारण नक्सली दस्ते को पीछे हटना पड़ा। सुरक्षाबलों ने इस बार पूरी तैयारी की है। नाइटविजन कैमरे से लैस कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर के कमांडो रातभर कैंप कर घेराबंदी में जुटे हैं। मुठभेड़ स्थल की ओर जाने वाले सारंडा के सभी रास्ते सील कर दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सारंडा जंगल में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मिसिर बेसरा के दस्ते की लोकेशन का इनपुट मिला। इनपुट के आधार पर ही संयुक्त अभियान शुरू किया गया। फिलहाल पूरे इलाके में हाई अलर्ट है। सुरक्षाबल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस ऑपरेशन को लेकर बड़ी कामयाबी मिल सकती है। सूत्रों का दावा है कि मुठभेड़ के बाद पुलिस की घेराबंदी के बाद मिसिर बेसरा का दस्ता बैकफुट पर आ गया है। नक्सली संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के लिए सुरक्षाबलों के आला अधिकारियों से लगातार संपर्क बना हुआ है।

चाईबासा में कुल्हाड़ी से हमला कर ग्रामीण की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदबुनिया गांव में बुधवार को आपसी विवाद में एक व्यक्ति की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त टांगी भी बरामद कर ली गई है।

घटना के संबंध में जगन्नाथपुर के सीडीपीओ रफायल मुर्मू ने बताया कि 15 अप्रैल को चांदबुनिया गांव निवासी माधो हेस्सा ने गांव के ही सागु हेम्ब्रम पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में सागु हेम्ब्रम गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुमारडुंगी ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

घटना के बाद मृतक के परिजन दुलु हेम्ब्रम ने थाना में बयान दर्ज कराया। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपी का लोकेशन ट्रेस कर घटना के नामजद चांदबुनिया निवासी 22 वर्ष अभियुक्त माधो हेस्सा को गिरफ्तार कर लिया। माधो हेस्सा ने बताया कि दोनों के बीच 15 अप्रैल को किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर माधो हेस्सा ने घर में रखी टांगी से सागु हेम्ब्रम पर हमला कर दिया।

मायके से सहेली के घर आई युवती का मिला शव, हत्या की आशंका

JAMSHEDPUR : सुंदरनगर थाना क्षेत्र के तुरामडीह के पास गुरुवार की सुबह एक विवाहिता बेबी सोरेन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बेबी सोरेन की उम्र 19 वर्ष बताई जाती है। चार महीना पहले ही चाईबासा के युवक के साथ उसका प्रेम विवाह हुआ था। बेबी सोरेन का शव तुरामडीह में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव देखने को लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों को आशंका है कि किसी ने हत्या कर शव यहां फेंक दिया है। बताते हैं कि बेबी सोरेन सरायकेला के दुधी गांव की रहने वाली थी। वह अपने मित्र के पास करनडीह आई थी। सुबह में वह अपनी सहेली निकिता से यह कहकर घर से निकली थी कि वह अपनी मां के पास बागबेड़ा जा रही है। लेकिन, तुरामडीह के पास उसका शव मिला। पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुट गई है।

ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ा युवक करंट लगने से हुई मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना अंतर्गत देवगांव में मेहमान के घर आया एक युवक ट्रांसफॉर्मर चढ़ गया, जिससे करंट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना गुरुवार को सुबह करीब 4.30 बजे हुई। चक्रधरपुर थाना अंतर्गत रामचंद्रपुर गांव निवासी गंगा तांती अपनी पत्नी के साथ बुधवार को देवगांव निवासी अपने मामा बाबू तांती के घर आया था। घर छोटा होने के कारण पत्नी घर में सो रही थी और पति गंगा तांती घर के बाहर सोया हुआ था। गुरुवार सुबह लगभग 4.30 बजे अचानक वह बिस्तर से उठकर निकला और घर के पास लगे ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ गया। 11000 वोल्ट का करंट लगने से वह ट्रांसफॉर्मर से चिपक गया था। घटना के बाद किसी ने इसकी जानकारी बिजली विभाग और पुलिस को दी।

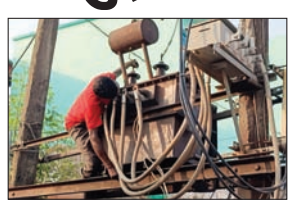

ट्रांसफार्मर से सटा युवक का शव

सूचना मिलते ही बिजली विभाग और पुलिस के अधिकारी घटनास्थल पहुंच गए। बिजली काट कर युवक को ट्रांसफॉर्मर से नीचे उतारा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक गंगा तांती का बड़ा भाई जुगल तांती घटनास्थल पहुंचा। उसने बताया कि उसका भाई पत्नी के साथ अपने मामा के घर देवगांव आया था। भाई के साथ पत्नी की भी दिमागी स्थिति खराब है।

टेल्को में बंद घर से 20 लाख के जेवरात चोरी

जायजा लेते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : टेल्को थाना क्षेत्र अंतर्गत नीलडीह ग्वाला बस्ती में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जाता है कि अवधेश कुमार के घर में चोरों ने छह दरवाजों के ताले काटे और अंदर रखी छह अलमारियों को खंगाल डाला। अलमारियों में रखे 18 से 20 लाख रुपये के सोने के जेवरात चोर अपने साथ ले गए। पीड़ित अवधेश कुमार ने बताया कि उनका पूरा परिवार पांच दिनों से नामदा बस्ती स्थित दूसरे मकान में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। इसी दौरान घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही टेल्को थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संभावित सुराग जुटाने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सिदगोड़ा में स्वर्णरेखा नदी से मिला लापता युवक का शव

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित बारीडीह में जिला स्कूल के पास स्वर्णरेखा नदी से एक लापता युवक का शव मिला। गुरुवार की सुबह नदी में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नदी किनारे लोगों की भीड़ जुट गई। शव की पहचान आदर्श नगर निवासी 45 वर्षीय संतोष कुमार के रूप में हुई है। युवक कुंवारा था। परिजनों का कहना है कि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। वह 15 अप्रैल की रात लापता हो गया था। घर से निकला मगर नहीं लौटा। परिजनों ने उसे आसपास और रिश्तेदारी में खोजा, लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था। गुरुवार की सुबह लोगों ने परिजनों को बताया कि नदी में एक शव मिला है। इस पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्होंने संतोष कुमार के रूप में शव की पहचान की। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को नदी से निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि युवक की मौत कैसे हुई है। वैसे घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा चल रही है। कोई इसे हत्या मान रहा है तो कोई इसे आत्महत्या बता रहा है।

चाईबासा के नए बस स्टैंड का बन रहा डीपीआर, टेंडर शीघ्र

PHOTON NEWS CHAIBASA : नगर परिषद के अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने गुरुवार को रांची गए थे, जहां उन्होंने राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शहर की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया और लंबित परियोजनाओं पर विशेष चर्चा की। बैठक में नितिन प्रकाश ने चाईबासा में लंबे समय से लंबित नए बस स्टैंड निर्माण के प्रस्ताव को विभागीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बताया कि नए बस स्टैंड का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके अलावा, शहर के ऐतिहासिक जोड़ा तालाब एवं मंगलाहाट जो वर्षों से उपेक्षा और कचरे के कारण बदहाल स्थिति में है, उसके सौंदर्यीकरण को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक जोड़ा तालाब एवं मंगलाहाट के पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए विभाग जल्द ही योजना बनाकर काम शुरू करेगा। इससे क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही शहर की सुंदरता और पर्यावरण में सुधार होगा। नितिन प्रकाश ने शहर की अन्य आधारभूत समस्याओं जैसे सफाई, जल निकासी और सड़क व्यवस्था से भी मंत्री को अवगत कराया। मंत्री ने सभी मुद्दों पर गंभीरता दिखाते हुए भरोसा दिलाया कि चाईबासा के विकास के लिए आवश्यक कदम जल्द उठाए जाएंगे। नगर परिषद अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से शहर के विकास को नई गति मिलेगी।

चाईबासा बस स्टैंड का प्रस्तावित मॉडल ● फोटोन न्यूज

आंदोलन पूर्व सीएम ने सेल प्रबंधन को दी चेतावनी- 20 अप्रैल से चक्का जाम, ठप करेंगे उत्पादन

मजदूरों की भूख हड़ताल में दूसरे दिन शामिल हुए मधु कोड़ा, खूब गरजे

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा क्षेत्र में सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) प्रबंधन के खिलाफ ग्रामीणों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। 12 गांव के ग्रामीणों द्वारा चलाए जा रहे 72 घंटे के भूख हड़ताल में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा भी शामिल हुए। मधु कोड़ा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि स्थानीय लगभग 500 ग्रामीणों को बहाली में प्राथमिकता नहीं दी गई, तो 20 अप्रैल से अनिश्चितकालीन चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के तहत सेल की माइंस का उत्पादन पूरी तरह प्रभावित किया जाएगा और डिस्पैच भी रोक दिया जाएगा। मधु कोड़ा ने सेल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनी बड़े-बड़े वादे तो करती है, लेकिन धरातल पर उनका कोई असर नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि भोले-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर उनकी जमीन पर खनन कार्य किया जा रहा है और उनके ही अधिकारों को उनसे छीना जा रहा है। उन्होंने दोटूक कहा कि अब ग्रामीण अपने हक के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे और किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आंदोलन के दौरान धरनास्थल पर मजदूरों को संबोधित करते मधु कोड़ा ● फोटोन न्यूज

ग्रामीणों ने कहा- खदानों के लाल पानी से बर्बाद हो रहे खेत

ग्रामीणों ने खदानों से निकलने वाले लाल पानी को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि इस प्रदूषित पानी से उनके खेत पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं और अब खेती के योग्य नहीं बचे हैं। इसके साथ ही कारो नदी का पानी भी दूषित हो रहा है, जिससे पीने के पानी और सिंचाई दोनों पर संकट गहराता जा रहा है। बावजूद इसके, सेल प्रबंधन प्रभावित किसानों को न तो मुआवजा दे रहा है और ना कोई ठोस समाधान उपलब्ध करा रहा है। बहाली प्रक्रिया को लेकर भी ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

बाहरी को दी जा रही नौकरी

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय युवाओं की अनदेखी कर बाहरी लोगों को नौकरी दी जा रही है। ठेकेदार भी बाहर से मजदूर लाकर काम करा रहे हैं, जिससे क्षेत्र के शिक्षित और बेरोजगार युवक-युवतियां रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। यह स्थिति तब और विडंबनापूर्ण हो जाती है, जब क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खनन गतिविधियां चल रही हैं। स्थानीय लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा।

मुंडा-मानकी के नेतृत्व में चल रहा विरोध प्रदर्शन, 48 घंटे बीते

मुंडा-मानकी के नेतृत्व में चल रहे इस भूख हड़ताल को अब 48 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि अब तक न तो प्रशासन के कोई अधिकारी और न ही सेल प्रबंधन के प्रतिनिधि उनकी सुध लेने पहुंचे हैं। यहां तक कि आंदोलन स्थल पर शुद्ध पेयजल की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस दौरान किसी भी आंदोलनकारी की तबीयत बिगड़ी या कोई अनहोनी हुई, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी गुवा सेल प्रबंधन की होगी।

खदानों से पर्यावरण के नुकसान का मुद्दा भी उठा

इस दौरान कासिया पेचा के मुंडा सिंगा सुरीन ने पर्यावरणीय नुकसान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पहले उनके जंगल क्षेत्र में कई प्राकृतिक झरने हुआ करते थे, लेकिन जब से सेल की खदानें शुरू हुई हैं, मोरम और मिट्टी के कारण वे झरने पूरी तरह बंद हो गए हैं। इसका सीधा असर ग्रामीणों के जीवन पर पड़ा है और अब उन्हें पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय कर कारो नदी तक जाना पड़ता है, जहां वे चुआं बनाकर पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां पूरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

बीमा कंपनी की मनमानी पर आयोग सख्त, पीड़ित को मुआवजा भुगतान का निर्देश

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा में उपभोक्ता अधिकारों से जुड़े एक अहम मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने इफ्को टोक्यो जनरल इंश्योरेंस की कार्यशैली पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने परिवादी बसंत कुमार के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को मुआवजा भुगतान का निर्देश दिया। मामला चाईबासा की रानी कॉलोनी निवासी बसंत कुमार से जुड़ा है, जिन्होंने अपने डंपर का बीमा उक्त कंपनी से कराया था। 19 फरवरी 2024 को वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद उन्होंने नियमानुसार बीमा दावा दाखिल किया। हालांकि, बीमा कंपनी ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया कि दुर्घटना के समय वाहन ओवरलोड था, जो पॉलिसी शर्तों का उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान आयोग ने इसे गलत बताया। आयोग ने बीमा कंपनी को 45 दिनों के भीतर एक लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। इसमें 70 हजार रुपये बीमा दावा, 20 हजार रुपये मानसिक प्रताड़ना और 10 हजार रुपये वाद व्यय शामिल हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

BRIEF NEWS

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर दौड़े लोग

ARARIA : अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत अररिया में बुधवार को अग्निशमन विभाग की ओर से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़ की शुरूआत नई पुलिस केन्द्र हरियावाड़ा से हुई,जो मुड़बल्ला मध्य विद्यालय दक्षिण होते हुए पुनः पुलिस केन्द्र हरियावाड़ा में आकर समाप्त हुई।ढाई किलोमीटर लंबे मैराथन दौड़ में सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। मैराथन दौड़ का मुख्य उद्देश्य अग्नि सुरक्षा के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना एवं लोगों को आपात स्थितियों के प्रति सजग बनाना था। मौके पर जिले के विभिन्न विभागों के वरीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी थे,जिन्होंने मैराथन दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया।विजेताओं को विभाग की ओर से पुरस्कृत किया गया। मौके पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार प्रसाद ने कहा कि अग्निशमन विभाग पहले आगजनी की घटना पर आग पर काबू पाने के लिए काम करती थी,लेकिन अब आग पर काबू पाने के साथ साथ आगजनी की घटना पर रोक लगाने को लेकर आमजनों को जागरूक भी कर रही है और इसी के तहत विभाग की ओर से अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत जिले भर में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को आगजनी की घटना को रोकने को लेकर जागरूक किया जा रहा है जिसके तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

4 किलो अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : जिले के पिपराकोठी थाना क्षेत्र के कोटवा रोड स्थित एक पान दुकान के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 किलोग्राम अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार 15 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि तीन व्यक्ति अफीम लेकर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पिपराकोठी थाना पुलिस, सशस्त्र बल एवं एसएसबी 71वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। इस दौरान दो व्यक्तियों को पकड़ लिया गया, जबकि तीसरा व्यक्ति पुलिस को देखकर भाग निकला। गिरफ्तार आरोपितों की तलाशी लेने पर उनके पास से एक-एक किलो के चार पैकेट में कुल 4 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह खेप मोतिहारी से दिल्ली ले जाने वाले थे। गिरफ्तार आरोपितो में चन्द्रेश्वर महतो (उम्र 57), ग्राम भीसा, थाना पचरौता, जिला पर्सा (नेपाल) एवं झगडू महतो 66), ग्राम मठिया, थाना कंगली, जिला पश्चिम चंपारण शामिल है। दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगालने में जुटी है, ताकि इस तस्करी नेटवर्क का पूरा खुलासा किया जा सके।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, एक झुलसा

ARARIA : फारबिसगंज के झिरवा पछीयारी वार्ड संख्या 07 में मध्य रात्रि में करीबन एक बजे शॉर्ट सर्किट से आशिक पिता सनीफ का घर में आग लग गई। जिसमें दो मवेशी की झुलसने से मौत हो गई। आगजनी में लाखों रुपए मूल्य के समान,खाद्यान्न आदि जलकर राख हो गए।मवेशी को बचाने के क्रम में साबरीन पति आशिक बुरी तरह से आग में झुलस गई। जिसे रात्रि में ही अनुमंडलीय अस्पताल फारबिसगंज ईलाज के लिए लाया गया,जहां डॉक्टर ने बेहतर ईलाज के लिए पूर्णिया रेफर कर दिया। पीड़िता पूर्णिया सदर अस्पताल में जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रही है। घंटों मशक्कत के बाद ग्रामीणों के द्वारा आग पर काबू पाया गया घायल हुई।घायल महिला का पति दूसरे प्रदेश में मजदूरी करता है। घटना की सूचना मिलने पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल ने घटना स्थल पर पहुंच कर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए सरकार से सहायता राशि दिलाने का भरोसा दिलाया। दिलीप ने घटना की सूचना अंचलाधिकारी शंभू कुमार राय को दी।

सुपौल में बस व ट्रक की टक्कर, 24 से अधिक यात्री घायल, आठ गंभीर

पटना से उदाकिशुनगंज जा रही थी बस, ओवरटेक के दौरान हुई दुर्घटना

AGENCY SUPAUL : जिले में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी एक बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर एनएच-27 किनारे पलट गई। इस हादसे में बस में सवार 24 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार बस पटना से उदाकिशुनगंज जा रही थी। घटना निर्मली थाना क्षेत्र के हरियाही स्थित हर्ष पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब 4 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में करीब 40 से अधिक यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली पहुंचाया गया, जहां 14 घायलों को भर्ती कर उनका इलाज शुरू किया गया। अस्पताल प्रबंधक मुकेश कुमार की देखरेख में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. आलोक राज ने बताया कि घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए 8 लोगों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में घायलों ने बताया कि बस आगे बढ़ रही थी, तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करने के दौरान बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बस और ट्रक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। ट्रक चालक भी वाहन में फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। निर्मली थाना अध्यक्ष सियार मंडल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को बहाल कर दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

घटनास्थल पर पलटी बस व अस्पताल में इलाजरत घायल

नालंदा जिले में नकली अंग्रेजी शराब फैक्ट्री का हुआ खुलासा

BIHARSARIF : जिले के मानपुर थाना इलाके में उत्पाद विभाग की टीम ने गुरुवार को को छापेमारी कर नकली अंग्रेजी शराब के मिनी फैक्ट्री का खुलासा किया। जहां आरएस ब्रांड की नकली शराब का निर्माण हो रहा था। धंधेबाज टीम के हाथ नहीं आया। सरबहदी और इटौरा गांव की सीमा पर कुंभरी नदी किनारे दो कमरे का करकटनुमा घर बना था। जहां फैक्ट्री चल रही थी। नकली शराब की फैक्ट्री से थाना पुलिस अनजान थी। छापेमारी अभियान में स्प्रीट-140 लीटर, बनाया हुआ शराब- 10 लीटर का 5 गैलन - 50 लीटर, बोतलबंद शराब - 188 बोतल (141लीटर), खाली बोतल - 70, बॉटलिंग मशीन- 2, कैपिंग मशीन - 1 आरएस ब्रांड का लेबल, स्टिकर/होलोग्राम - लगभग 2 किलोग्राम, ढक्कन- 322, हाइड्रोमीटर -2, मापन हेतु फ्लास्क -2 (एक छोटा एक बड़ा), कलरिंग एजेंट लगभग 300 एमएल। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक लाला अजय कुमार सुमन ने बताया कि मौके से नकली शराब, स्प्रीट व अन्य सामान बरामद हुआ। कुंभरी नदी किनारे सुनसान स्थान पर करकट का दो कमरा बना था। जिसमें शराब फैक्ट्री संचालित हो रही थी। धंधेबाज की पहचान कर टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुटी है। कमरे को सील कर दिया गया है।

सिवान में जमीन विवाद : विधायक ओसामा शहाब सहित कई पर दर्ज की गई प्राथमिकी

महादेवा थाना क्षेत्र में 11.904 डिसमिल जमीन को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद

AGENCY SIWAN : सीवान जिले के महादेवा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थाने के धर्म परसा निवासी डॉ विनय कुमार सिंह की पत्नी डॉक्टर सुधा सिंह ने रघुनाथपुर के राजद विधायक ओसामा शहाब,फरहान, सबीर सहित 30-35 नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, लूट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद सारण प्रमंडल के डीआईजी निलेश कुमार मामले की जांच करने के लिए गुरुवार को सीवान पहुंचे। थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में डॉ सुधा सिंह ने कहा है कि 7 सितंबर 2024 को उन्होंने और उनके पति ने खाता संख्या 82, सर्वे संख्या 942, रकबा 11.904 डिसमिल जमीन संयुक्त दस्तावेज से खरीदी थी। अंचल कार्यालय ने भूमि की जमाबंदी उनके संयुक्त नाम से कर दी थी। यह जमीन महादेवा थाने के झूनापुर में निमार्णाधीन राम जानकी राष्ट्रीय राजमार्ग के ठीक सटे उत्तर की ओर स्थित है। लगभग तीन महीने पहले अचानक विधायक ओसामा शहाब का फोन आया। उन्होंने कहा, इस जमीन को मैंने भी बेनामा कराया है, यहां मुकदमा भी चल रहा है। तुम लोग निर्माण बंद कर दो और अपने सारे कागजात मुझे दे दो, मैं देख लूंगा कि किसका कागजात सही है। सुधा सिंह ने तुरंत अपने सभी दस्तावेज विधायक को उपलब्ध करा दिए। इसके बाद ओसामा साहब ने आश्वासन दिया, अगर तुम्हारा दस्तावेज सही है तो तुम बिना किसी रोक-टोक के काम कराओ, मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। पीड़िता ने आगे लिखा, मैं और मेरे पति ने विधायक को कागजात देने के बाद यह मान लिया था कि अब काम निर्विघ्न चलेगा। लेकिन विधायक ने न तो संपर्क किया, न कोई जवाब दिया। जब हमने दो दिन स्वयं स्थल पर काम कराया तो भी कोई आपत्ति नहीं की गई। जैसे ही मैं अपने आदमियों को सौंप कर गोरखपुर चली गई। महीनों तक चुप्पी साधे रहने के बाद अचानक 14 अप्रैल 2026 को विधायक का फिर फोन डॉ. विनय कुमार सिंह के मोबाइल पर आया। उन्होंने सख्त लहजे में आदेश दिया निर्माण कार्य तुरंत बंद कर दो। डॉ. सिंह ने पूछा, यह आदेश न्यायिक है या प्रशासनिक? जवाब मिलने से पहले ही विधायक के 30-35 गुंडे घातक हथियारों से लैस होकर निर्माण स्थल पर पहुंच गए। गुंडों ने मजदूरों पर लाठियां बरसानी शुरू कर दी।

ओसामा शहाब

लूट मामले में देसी कट्टा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

BHAGALPUR : जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र में बीते 4 अप्रैल को हुए 8 लाख रुपये की लूट मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। गुरुवार को सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि मंटू कुमार अकबरनगर स्थित अपने पेट्रोल पंप से शाहकुंड बैंक में करीब 8 लाख रुपये जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात अपराधियों ने देसी कट्टा का भय दिखाकर उनसे पूरी रकम लूट ली। घटना के तुरंत बाद मंटू कुमार ने शाहकुंड थाना को सूचना दी, जिसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तकनीकी और वैधानिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस कांड में शामिल आरोपित मदन मंडल को नवगछिया पुलिस जिला के तीन टंगा दियारा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपित के पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पूछताछ में मदन मंडल ने इस लूट कांड में शामिल अन्य अपराधियों के नाम भी स्वीकार किए हैं। पुलिस अब उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में एक अन्य आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

ठगी की शिकार महिलाएं पहुंचीं एसएसपी कार्यालय

पत्रकारों से पीड़ा बतातीं महिलाएं

BHAGALPUR : जिले के बाईपास थाना क्षेत्र के मकससपुर हरिजन टोला की रहने वाली करीब 32 महिलाएं ठगी का शिकार हुई है। घटना को लेकर करीब एक दर्जन पीड़ित महिलाएं गुरुवार को न्याय की गुहार लगाने जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची, जहां पुलिस अधीक्षक से मिलकर पीड़ित महिलाओं ने अपनी व्यथा सुनाई। महिलाओं ने कहा कि हम लोग पढ़ी-लिखी नहीं है। हम लोगों को स्थानीय महिला मीना देवी के द्वारा यह कहकर ठगा गया कि तुम लोग बैंक से लोन लेकर हमें दो और पेट्रोल पंप खोलकर उसी पेट्रोल पंप के जरिए सारी महिलाओं को काम दिया जाएगा। जिससे सभी की अच्छी कमाई होगी। लोभ में आई महिलाएं बैंक से लोन लेकर किसी ने 2 लाख तो किसी ने डेढ़ लाख किसी ने चार लाख रुपए लिया और मीना देवी को बिना कुछ लिखा पढ़ी किए सौंप दिया।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

NAWADA : नवादा जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के समीप एक माह पूर्व हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। मृतक कौआकोल प्रखंड के पाली पंचायत अंतर्गत रूपी गांव निवासी 23 वर्षीय हिमांशु कुमार,पिता बिंदेश्वरी यादव है। रामपुर गांव के पास मोटरसाइकिल दुर्घटना में हिमांशु कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था। स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया था। पटना में चल रहे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिजन में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि हिमांशु कुमार मिलनसार स्वभाव के युवक थे। उनके असामयिक निधन से गांव के लोग भी गहरे सदमे में हैं।

जमीन विवाद में मारपीट, एक ही परिवार के कई लोग घायल

AGENCY BHAGALPUR : जिले के बुद्धूचक थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दबंगों द्वारा एक ही परिवार के चार-पांच लोगों के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में गुरुवार को बुद्धूचक थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। घटना 10 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 8 बजे की है, जब पीड़ित परिवार के सदस्य अपने घर से निकले थे। इसी दौरान उनके ही गोतिया पक्ष के कुछ लोग विवादित जमीन पर जबरन निर्माण कार्य कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मामला हिंसक हो गया। आरोप है कि दबंगों ने लोहे के रॉड और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बीच-बचाव करने आए अन्य परिजनों को भी नहीं बख्शा गया और उनके साथ भी मारपीट की गई। इस दौरान एक महिला के गले से चांदी का चेन छीन लेने और नकदी लूटने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों ने घटना के बाद जान से मारने की धमकी भी दी है, जिससे वे दहशत में हैं। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

अस्पताल में इलाजरत महिला

कार्यवाही 1 मई तक ऑनलाइन मोड में चलेगा स्व-गणना का कार्य, नागरिक खुद भर सकेंगे ऑनलाइन फॉर्म

बिहार में आज से शुरू होगी जनगणना, तैयारी हो गई पूरी

PHOTON NEWS PATNA : बिहार में जनगणना 2027 का आगाज शुक्रवार 17 अप्रैल से एक नए और आधुनिक अंदाज में होगा। पहली बार राज्य के करोड़ों लोगों को खुद अपनी जानकारी दर्ज करने का अधिकार मिला है। सरकार ने इसे जनभागीदारी आधारित डिजिटल क्रांति करार दिया है। इसे लेकर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में 'जनगणना 2027' के मकान सूचीकरण के दौरान स्व-गणना 17 अप्रैल से 01 मई से संबंधित तैयारियों की समीक्षा को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सचिवालय सभा कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति के सदस्य एवं प्रधान जनगणना अधिकारी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने स्पष्ट किया कि यह एक राष्ट्रहित का कार्य है और सभी को भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही कार्य करना है। जनगणना का कार्य दो चरणों में प्रस्तावित है। प्रथम चरण की शुरूवात दिनांक 02 मई,2026 से मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के कार्य से शुरू होगा परंतु इसके पूर्व दिनांक 17 अप्रैल से स्व-गणना का कार्य आरंभ होगा जो 1 मई तक चलेगा। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों, अपर मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और सचिवों को इस अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का निर्देश दिया। 17 अप्रैल से 01 मई तक चलने वाली इस 15 दिवसीय स्व-गणना प्रक्रिया में नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपने घर, परिवार और सुविधाओं से जुड़ी पूरी जानकारी खुद भर सकेंगे। यानी अब जनगणना सिर्फ सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आम लोगों की सीधी भागीदारी का अभियान बन गई है।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल ने गुरूवार को इसे जनगणना प्रणाली में बड़ा बदलाव बताते हुए कहा कि इससे आंकड़े अधिक सटीक, पारदर्शी और आधुनिक होंगे। साथ ही सरकार को योजनाएं बनाने के लिए रियल टाइम और भरोसेमंद डेटा मिलेगा।

जनगणना के लिए बैठक करते प्रशासनिक पदाधिकारी

पोर्टल पर 33 सवालों का दें जवाब, स्व-गणना आईडी रखें सुरक्षित

स्व-गणना के दौरान नागरिकों को 33 अहम सवालों के जवाब देने होंगे, जिनमें आवास की स्थिति, परिवार की संरचना, जल और स्वच्छता सुविधाएं, ऊर्जा के स्रोत और घरेलू उपकरणों तक की जानकारी शामिल है। यही डेटा आगे तय करेगा कि सरकार की योजनाएं किस दिशा में जाएंगी और किन क्षेत्रों को प्राथमिकता मिलेगी। ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी होते ही हर परिवार को एक यूनिक स्व-गणना आईडी मिलेगी, जो आगे पूरे सर्वे की डिजिटल चाबी होगी।

02 मई से 31 मई तक घर-घर शुरू होगी सर्वेक्षण की प्रक्रिया

02 मई से 31 मई के बीच जब प्रगणक घर-घर पहुंचेंगे, तब स्व-गणना आईडी के आधार पर हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन पूरा किया जाएगा। सरकार ने साफ किया है कि जो लोग ऑनलाइन भाग नहीं लेंगे, उनका सर्वे भी घर-घर जाकर किया जाएगा। यह देश का पहला मौका है जब नागरिकों को खुद अपनी गिनती में शामिल होने का अवसर मिला है। ऐसे में इसे चूकना नहीं चाहिए। खास बात यह भी है कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत दी गई हर जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी और इसका इस्तेमाल सिर्फ विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में किया जाएगा।

सीएम ने पटना साहिब में टेका मत्था राज्य के लिए मांगा सुख-समृद्धि

पटना साहिब में मत्था टेकते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

PATNA : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की जन्मस्थली तख्त श्रीहरिमंदिर जी परिसर, पटना साहिब पहुंचे। मुख्यमंत्री ने तख्त श्रीहरिमंदिर जी, पटना साहिब में मत्था टेका और राज्य के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान श्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमिटी के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री को तलवार, अंगवस्त्र, सरोपा एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि गुरू की प्रेरणा से देश आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है। नीतीश कुमार ने बिहार का लंबे समय तक नेतृत्व करते हुये राज्य को आगे बढ़ाया है। हमलोगों ने बेहतर तरीके से 350वां प्रकाश पर्व मनाया है। यहां की संरचना को काफी बेहतर किया गया है। श्री गुरुगोविंद सिंह जी महाराज की पूरे प्रदेश पर कृपा बनी रहे। राज्य समृद्ध हो, देश विकसित हो, यही हमारी कामना है।

संसदीय कामकाज की बदलती संस्कृति

भारत का लोकतंत्र बहुलतावाद पर आधारित राष्ट्रीयता की उस उदात्त कल्पना पर प्रतिष्ठित है, जिसमें विविधता को शक्ति माना गया है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाएं हैं। संसद इन संस्थाओं का सर्वोच्च मंच है। इस सदन में व्यक्त होने वाली हर आवाज देश के करोड़ों नागरिकों की आशाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय संसदीय लोकतंत्र में सर्वोच्च गरिमापूर्ण, निष्पक्ष और शक्तिसंपन्न संवैधानिक पद है। संविधान के अनुच्छेद 93 के अंतर्गत निर्वाचित लोकसभा के अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन, नियमों के पालन, सांसदों के अनुशासन, विशेषाधिकारों की रक्षा और सदन की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को 19 जून 2019 को 17वीं लोकसभा का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस निर्वाचन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ-साथ प्रमुख विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया। यह व्यापक सहमति इस विश्वास का प्रमाण थी कि वे सदन को संतुलित, प्रभावी और अनुशासित रीति से संचालित करने की क्षमता रखते हैं। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जो सुधारात्मक प्रयास और संस्थागत नवाचार किए, उनसे न केवल लोकसभा की कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आया, अपितु सदन की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ओम बिड़ला ने सदन की कार्यवाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित कर दशकों से चली आ रही परिपाटी को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक एवं अपेक्षित हैं, किंतु वे मनभेद में परिवर्तित नहीं होने चाहिए। वैचारिक विविधता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। तथापि, मतभेदों की अभिव्यक्ति नियमों और संसदीय प्रक्रियाओं के दायरे में ही सार्थक होती है। ओम बिड़ला ने जिस संयम के साथ विभिन्न परिस्थितियों का सामना किया, वह न केवल सराहनीय है, अपितु विधानसभाओं के लिए भी एक आदर्श उदाहरण है। उनके कार्यकाल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू संसदीय प्रणाली के संस्थागत सुदृढ़ीकरण से संबंधित है। इसी दिशा में नवनिर्वाचित सांसदों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) एक सुव्यवस्थित और प्रभावी प्रशिक्षण सत्र के रूप में स्थापित किया गया, जो उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, नियमों, विधायी कार्य तथा उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से सुपरिचित कराता है। इससे न केवल सांसदों की सदन में भागीदारी अधिक प्रभावी हुई, बल्कि बहसों की गुणवत्ता में भी ठोस सुधार परिलक्षित हुआ। संसदीय समिति प्रणाली विधायी प्रक्रिया की दक्षता, जवाबदेही और समावेशिता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोकसभा के संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान 'प्राइड' (पार्लियामेंटरी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फार डेमोक्रेसीज) के माध्यम से विभिन्न विधानसभाओं तथा संसद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में डिजिटाइजेशन, तकनीकी एकीकरण, संसदीय समितियों की कार्यप्रणाली एवं समन्वय, अनुसंधान सहायता और विभाग-संबंधित स्थायी समितियों में विधेयकों के अनिवार्य संदर्भ जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ओम बिड़ला के नेतृत्व में लोकसभा को 'पेपरलेस' बनाने और तकनीकी आधुनिकीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 'डिजिटल संसद' प्लेटफार्म की स्थापना, सांसदों के लिए डिजिटल उपस्थिति प्रणाली जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं इसी व्यापक परिवर्तन का अंग हैं। मंत्रियों द्वारा सदन में दिए गए आश्वासनों की निगरानी के लिए ह्यऑनलाइन एश्योरेंस मानिटरिंग सिस्टम' को सशक्त किया गया, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों की जवाबदेही और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी क्रम में 'नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन' कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर लागू किया गया। वर्तमान में 21 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की विधानमंडल इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपना विधायी कामकाज डिजिटल माध्यम से संचालित कर रही हैं। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में मेरा अनुभव है कि इस नवाचार से विधानसभाओं की डिजिटल कार्यप्रणाली को अत्यंत प्रोत्साहन मिला है। संसदीय कार्यवाही के आधुनिकीकरण तथा पारदर्शिता, सुगमता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। लोकसभा सचिवालय और इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से विकसित स्वदेशी एआई टूल 'संसद भाषिणी' का उपयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत की भाषायी विविधता को ध्यान में रखते हुए इसके माध्यम से संसदीय दस्तावेजों को विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। लोकसभा अध्यक्ष का पद दलगत राजनीति से ऊपर होता है और संविधान ने उन्हें तटस्थ मध्यस्थता की महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान की है। संसदीय अनुशासन को बनाए रखना अध्यक्ष की एक अनिवार्य संवैधानिक जिम्मेदारी होती है। संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार निश्चित रूप से मूलभूत है, किंतु यह स्वतंत्रता संसदीय नियमों और प्रक्रियाओं के दायरे में ही अर्थपूर्ण एवं वैधानिक होती है। ऐसे में जब अध्यक्ष को अनुशासन बनाए रखने के लिए कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं, तो राजनीतिक असहमति का उभरना स्वाभाविक है।

सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज

ANALYSIS

डॉ. सत्यवान सौरभ

शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहां पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव। युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियां हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं। सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर सकती है। हाल के घटनाक्रम यह भी दशार्ते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहां राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है।

दुनिया एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहाँ शक्ति प्रदर्शन, धमकियों और सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज कहीं दब-सी जाती है। हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न फिर से प्रासंगिक बना दिया है कि आखिर युद्ध से किसी को वास्तव में क्या मिलता है। क्या यह केवल ताकत का प्रदर्शन भर है या इसके पीछे कोई स्थायी समाधान भी निहित होता है। इतिहास और अनुभव दोनों इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध किसी समस्या का अंत नहीं करता, बल्कि वह नई समस्याओं की एक अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में अस्थिरता बढ़ती जा रही है, तब यह प्रश्न और भी अधिक गंभीर हो उठता है। युद्ध की शुरूआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बबार्दी होती है और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहां पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव। युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियां हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं। सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर

सकती है। हाल के घटनाक्रम यह भी दशार्ते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहाँ राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है। लोग अपने आंतरिक मतभेद भुलाकर बाहरी खतरे के विरुद्ध एकजुट हो जाते हैं। इस प्रकार, जो रणनीति किसी देश को झुकाने के लिए अपनाई जाती है, वही उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। यह युद्ध की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि वह अपने घोषित उद्देश्यों को भी कई बार पूरा नहीं कर पाता। युद्ध का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों पर उत्पन्न संकट पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं और निवेश में अनिश्चितता जैसे परिणाम वैश्विक स्तर पर दिखाई देते हैं। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है। जब महाशक्तियां किसी संघर्ष में शामिल होती हैं, तो स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। उनका हस्तक्षेप केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक आयाम भी ग्रहण कर लेता है। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना कठिन हो जाता है। वे अक्सर ऐसे संतुलन की तलाश में रहते हैं, जिसमें उनके राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहें और वे किसी बड़े टकराव का हिस्सा भी न बनें। लेकिन यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं। पश्चिम एशिया इस प्रकार के जटिल संघर्षों का एक प्रमुख उदाहरण है, जहां राजनीतिक, धार्मिक और सामरिक कारणों से तनाव लगातार बना रहता है। यहां की परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि एक छोटी-सी चिंगारी भी व्यापक संघर्ष का रूप ले सकती है। विभिन्न देशों और संगठनों की सक्रियता ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यहां होने वाले किसी भी घटनाक्रम का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। ऐसे परिदृश्य में कुछ देशों ने संतुलित और परिपक्व कूटनीति का परिचय देने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता को भी ध्यान में रखा। यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से भी जटिल परिस्थितियों का समाधान खोजा जा सकता है। भले ही यह प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन यही स्थायी शांति की दिशा में सबसे विश्वसनीय मार्ग है। वर्तमान समय में युद्ध का एक और महत्वपूर्ण आयाम सूचना और प्रचार का है। अब युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मीडिया और डिजिटल मंचों पर भी लड़ा जा रहा है। सूचनाओं का नियंत्रण, अफवाहों का प्रसार और जनमत को प्रभावित करने के प्रयास इस संघर्ष का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इससे सत्य और असत्य के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है। सोशल मीडिया के दौर में एक छोटी-सी भ्रामक सूचना भी बड़े स्तर पर भ्रम और तनाव उत्पन्न कर सकती है। इसके अतिरिक्त, युद्ध पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। बमबारी, रासायनिक हथियारों का उपयोग और औद्योगिक ढाँचों का विनाश पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुँचाता है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है। जैव विविधता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, और कई बार यह नुकसान अपरिवर्तनीय होता है। इस प्रकार, युद्ध केवल वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करता है। अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह केवल अस्थायी जीत और स्थायी घाव छोड़ता है। मानवता, विकास और शांति के पथ पर अग्रसर होने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे संघर्षों को रोकने और समाधान खोजने में अधिक प्रभावी हो सकें। आज की दुनिया को यह समझना होगा कि असली शक्ति विनाश में नहीं, बल्कि सृजन में निहित है। जो देश और समाज इस सत्य को स्वीकार कर लेंगे, वही भविष्य में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। युद्ध के धुएं में भले ही क्षणिक विजय का भ्रम दिखाई दे, लेकिन जब वह धुआं छंटता है, तो पीछे केवल विनाश, पछतावा और अनिश्चितता ही शेष रह जाती है। यही युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई है एक ऐसी सच्चाई, जिसे समझना और स्वीकार करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

एआई अनुसंधान में व्यावहारिक साझेदारियां

फरवरी 2026 में अमेरिका और भारत के शोधकर्ता और विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अमेरिका-भारत शोध सहयोग निर्माण पर कार्यशाला के लिए मोहाली में एकत्र हुए थे। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्लाक्षा यूनिवर्सिटी ने अमेरकी दूतावास नई दिल्ली के सहयोग से की थी। इसका उद्देश्य स्पष्ट था- संवाद से आगे बढ़कर एआई अनुसंधान में स्थायी और व्यावहारिक साझेदारियां बनाना। इस कार्यशाला ने प्रगति के साथ-साथ विकास के क्षेत्रों को भी उजागर किया। अमेरिका अग्रिम एआई अनुसंधान में अग्रणी बना हुआ है, जबकि भारत एक विशाल और कुशल प्रतिभा समूह तथा व्यापक वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने सहयोग को मजबूत करने के लिए वित्तपोषण और संस्थागत प्राथमिकताओं को और अधिक समन्वित करने के अवसरों की भी पहचान की। इन निष्कर्षों ने उन शोधकताओं के साथ गहन चर्चा के लिए आधार तैयार किया, जो अमेरिका-भारत एआई पहलों को आकार दे रहे हैं। वास्तव में अमेरिका-भारत सहयोग एआई में बहुत उच्च स्तर पर है, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो के कंप्यूटिंग, सूचना और डेटा विज्ञान स्कूल के विशिष्ट प्रोफेसर और डीन राजेश गुप्ता कहते हैं- मैं यह इसलिए जानता हूं, क्योंकि मैं भारत में छह एआई स्कूलों के निर्माण में शामिल हूं और अमेरिका की फाउंडेशन उन्हें मदद दे रही हैं। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राजीव बरुआ कहते हैं कि सहयोग अधिक रणनीतिक और संस्थागत होता जा रहा है। पूरकता स्पष्ट है- अमेरिका अग्रिम अनुसंधान और वैश्विक उत्पाद पारिस्थितिक तंत्र में गहराई प्रदान करता है, जबकि भारत व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट प्रतिभा और विविध वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है। वह कहते हैं- सबसे बड़ा साझा अवसर विश्वसनीय, सुरक्षित और लागत-प्रभावी एआई सिस्टम बनाना है, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपनाया जा सके। बरुआ ने कार्यशाला से तीन प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित किया- संस्थानों के बीच सहयोग को सक्षम बनाने के लिए साझा अनुसंधान अवसंरचना का निर्माण, शिक्षा को एक प्रभाव-गुणक के रूप में उपयोग करना, और शुरूआत से ही एआई सिद्धांतों जैसे सुरक्षा, संरक्षा और मजबूती को शामिल करना। शिक्षा और प्रतिभा विकास दीर्घकालिक सहयोग की नींव बने हुए हैं। गुप्ता ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की ओर संकेत करते हैं। अमेरिकी सरकार ने आठ अमेरिकी विश्वविद्यालयों को साथ लाकर आईआईटी कानपुर के निर्माण में मदद की। उन विश्वविद्यालयों को शायद कभी पता भी नहीं था कि कानपुर कहां है, लेकिन उन्होंने संपर्क स्थापित किए, वह कहते हैं। आज, भारत के उभरते एआई संस्थान समान साझेदारियों से लाभ उठा सकते हैं। आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गुवाहाटी सहित कई भारतीय संस्थानों में अब एआई पर केंद्रित स्कूल हैं। इन संस्थानों को अमेरिकी साझेदारों से जोड़ना सहयोग को तेज कर सकता है। गुप्ता कहते हैं- हयोग अक्सर जमीनी स्तर से शुरू होता है। लोग सोचते हैं कि सहयोग के लिए बड़ा बजट या उच्च-स्तरीय समझौता चाहिए। लेकिन, वास्तव में यह जमीनी स्तर से शुरू होता है, वह समझाते हैं। यदि हाई स्कूल और ग्रेजुएट स्तर के विद्यार्थी इन नए विषयों को सीखना शुरू करते हैं, तो वे भविष्य के लिए प्रतिभा स्रोत बन जाते हैं, जैसे आईआईटी बने। बरुआ प्रतिभा पाइपलाइन और सहयोग को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों पर जोर देते हैं। द्विपक्षीय कार्यक्रम जो द्वि-राष्ट्रीय टीमों का समर्थन करते हैं और वास्तविक दुनिया पर प्रभाव डालने पर जोर देते हैं, विशेष रूप से प्रभावी होते हैं, वह समझाते हैं। सफल सहयोग में तीन विशेषताएं होती हैं- स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य, कोड, डेटा या बेंचमार्क जैसे साझा संसाधन, और सह-मार्गदर्शन, यात्राओं और नियमित कार्यशालाओं के माध्यम से निरंतर व्यक्तिगत संपर्क। सफल साझेदारियां अमेरिका की बौद्धिक स्वतंत्रता की संस्कृति से भी लाभान्वित होती हैं, जहां व्यक्ति उम्र या डिग्री की परवाह किए बिना चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं, जिससे सीमाओं के पार नवाचार को बढ़ावा मिलता है। एआई का उदय इस सवाल को भी उठाता है कि समाज स्वायत्त प्रणालियों पर नजर कैसे रखे। गुप्ता कहते हैं कि जहां पारंपरिक मशीनें मानव निदेशों का पालन करती हैं, वहीं एआई प्रणालियां तेजी से स्वायत्त निर्णय लेने लगी हैं, जिससे संचालन फ्रेमवर्क आवश्यक हो जाते हैं। चूंकि मशीनें केवल भौतिक नियमों का पालन करती हैं, सामाजिक नियमों का नहीं, इसलिए हमें ऐसी संचालन व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी, जो एआई का मार्गदर्शन करें। गुप्ता इस बात पर जोर देते हैं कि मानव अनुभव से विकसित कौशल जैसे संचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और शिल्प कौशल मूल्यवान बने रहेंगे। कुछ पारंपरिक कौशल जैसे प्लंबिंग, बढ़ईगीरी और कारीगिरी भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि वे जटिल क्षमताओं पर निर्भर करते हैं, जिन्हें मशीनें अभी तक पूरी तरह से दोहरा नहीं पाई हैं। नौकरियों को समाप्त करने के बजाय एआई उत्पादकता को बढ़ाने की संभावना रखता है। एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की उत्पादकता बढ़ा सकता है। उन्हें प्रतिस्थापित करने के बजाय, यह उन्हें कई लोगों के काम करने और पूरी तरह नए उत्पाद व सेवाएं बनाने में सक्षम बना सकता है, गुप्ता अनुमान लगाते हैं कि नवाचार की अगली लहर में चिकित्सा से लेकर डिजिटल सेवाओं तक अत्यधिक व्यक्तिगत उत्पाद शामिल होंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

वर्धा जिले में स्थित महात्मा गांधी के निवास और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख केंद्र सेवाग्राम आश्रम का दौरा किया। आदि निवास, बा कुटी, बापू कुटी और गांधीजी के कार्यालय सहित विभिन्न झोपड़ियों से बापू के सरल और अनुशासित जीवन की झलक मिलती है। राष्ट्रपति ने बापू और बा को श्रद्धांजलि अर्पित की और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए आश्रम में एक पौधा लगाया।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

ऑस्ट्रिया के चांसलर स्टॉकर के साथ बहुत ही सार्थक चर्चा हुई। भारत में हम सभी को खुशी है कि उन्होंने पदभार संभालने के बाद यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए हमारे देश को चुना। यह भारत-ऑस्ट्रिया संबंधों के प्रति उनकी दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह भी उतना ही खास है कि चार दशकों में किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर की यह पहली यात्रा है। उनकी यह यात्रा ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के बाद हो रही है, जिसने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

1857 की महान क्रांति में अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध बिगुल फूंकने वाले झारखंड की वीर धरती के अमर सपूत, वीर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जी के शहादत दिवस पर शत-शत नमन।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

युद्धविराम से भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली बड़ी राहत

अमेरिका-ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के युद्धविराम से भारत को बड़ी आर्थिक राहत मिलती दिख रही है। शेयर बाजार में तेजी आने के साथ डालर की तुलना में रुपये को मजबूती मिली है। चूंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति श्रृंखला को सामान्य होने में समय लगता है, इसलिए भारत को अभी युद्धविराम के आर्थिक लाभ मिलने में समय लग सकता है, लेकिन निश्चित रूप से इस युद्धविराम से भारत के गोल्डीलाक्स (तेज विकास और महंगाई नियंत्रण) के आर्थिक दौर को बचाए रखने में मदद मिलेगी। हाल में विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू गतिविधियों के मद्देनजर भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरे दक्षिण एशिया में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्था कहा है। आरबीआई ने भी अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों (रेपो रेट) को 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखते हुए सस्ते कर्ज की राह पर चलते हुए विकास दर में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। हालांकि अभी भी चिंता के कुछ बादल मंडरा रहे हैं। जहां युद्धविराम को लेकर अमेरिका और ईरान द्वारा प्रस्तुत की जा रही अलग-अलग शर्तें दोनों में अविश्वास को दर्शा रही हैं, वहीं इजरायल ने कहा है कि लेबनान में युद्धविराम लागू नहीं होगा। इससे जाहिर होता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध की चिंगारी अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। ऐसे में भारत सरकार को राहत और सुधारों को तेजी से लागू करने की बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। पिछले दिनों वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों एवं वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट में लगातार भारत की विकास दर में कमी और महंगाई के बढ़ने के अनुमान प्रस्तुत किए जा रहे थे। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा था कि ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के कारण भारत की विकास दर धीमी हो सकती है और आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। निजी खपत में कमी, औद्योगिक गतिविधियों में नरमी और उच्च लागत के कारण निवेश की गति धीमी पड़ सकती है, जिससे विकास दर प्रभावित होगी। रेटिंग्स ने भारत की विकास दर के अनुमान को घटाते हुए चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए छह प्रतिशत कर दिया, जो पहले 6.8 प्रतिशत आंका था। साथ ही चालू वित्त वर्ष में औसत महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया, जो वित्त वर्ष 2025-26 के 2.4 प्रतिशत से अधिक है। यदि युद्धविराम प्रभावी होता है तो महंगाई बढ़ने और विकास दर घटने की चिंताएं कम होंगी। उल्लेखनीय है कि देश में आम लोगों और अर्थव्यवस्था को संकट से बचाने के लिए सरकार महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने में लगी है। दुनिया में तेजी से बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के बीच भी देश में सरकारी तेल कंपनियों द्वारा सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाई गई हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए सरकार ने उत्पाद कर में 10 रुपये प्रतिलीटर की कटौती की है। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया है। रोजाना करीब 50 लाख गैस सिलिंडर की डिलीवरी की जा रही है। सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं के लिए बफर स्टाक बढ़ाने, खुले बाजार में खरीदे गए खाद्यान्न की रणनीतिक बिक्री करने और जरूरी आयात की सुविधा जैसे कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। इससे महंगाई को काबू में रखने में मदद मिलेगी। सरकार निर्यातकों को राहत देने के लिए 497 करोड़ रुपये की रेजिलिएंस एंड लॉजिस्टिक इंटरवेंशन फार एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन (रिलीफ) योजना भी लेकर आई है। इस योजना के तहत एमएसएमई निर्यातक विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। ईरान युद्ध की चुनौतियों के बीच कई अहम बुनियादी बातें भारत की शक्ति बनकर सामने आई हैं। इस समय देश में विशाल खाद्यान्न भंडार और जरूरत की दवाइयों का पर्याप्त स्टाक है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। भारतीय खाद्य निगम के पास केंद्रीय पूल में मार्च 2026 के अंत तक गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का स्टाक उपलब्ध था, जो खाद्य सुरक्षा के लिए अहम है।

ईश्वर का आहार

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना, परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो। जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किए हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं, जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं। तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं। ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते। यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है। अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो। मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधताएं क्यों है। वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप, बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए। जिस चेतना ने इस संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है। ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचारधारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप-वर्दी में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपने रूप को बदलते हो तो कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो। हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे और इसीलिए उन्होंने दिव्यता के अनंत गुण व रूपों का ज्ञान कराया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Babasaheb's warnings echo in modern India

Though I have read and written about you over the years, this is the first time that I am compelled to write you a letter. The epistolary form is personal in tone yet public in its anxieties, and it has allowed me to reflect on a range of issues that may otherwise be difficult to express. The occasion is neither ceremonial nor the impulse rhetorical because it arises from a growing unease, a sense that the warnings you so carefully articulated at the founding moment of our Republic are not only relevant today, but are also unfolding before us with an almost prophetic clarity.

When you rose to present the Draft Constitution, you used the idiom of caution. You reminded a newly independent nation that the Constitution, however well crafted, would only be as strong as the people and institutions entrusted with its working."However good a constitution may be," you had said, "it is sure to turn out bad because those who are called to work it happen to be a bad lot." It was a recognition that democracy is not self-sustaining; it requires vigilance, ethics and an unwavering commitment to constitutional morality.Today, one feels the weight of that insight because the architecture you helped design still stands, yet its spirit often seems strained. Institutions that were meant to serve as checks and balances increasingly seem to bend under the weight of executive assertion.The delicate equilibrium between the legislature, the executive and the judiciary, so essential to the functioning of a constitutional democracy, appears at times to be giving way to a concentration of power that you had warned against.You understood, Babasaheb, that a free Press was one of democracy's foundational preconditions. In the very first editorial of Mooknayak in 1920, you observed that the newspapers of the Bombay presidency were concerned primarily with protecting the interests of upper castes. It was an indictment by a thinker who understood that a Press captured by dominant interests is a Press in service of power alone.

You warned that the views of the marginalised on social and political questions were being systematically suppressed by what you called an organised conspiracy of the Press. The silence of the powerful, you knew, is itself a form of violence. What you would have made of a media landscape in which ownership is concentrated and voices of the marginalised remain absent as they were in the pages of Kesari, is not difficult to imagine.Your foresight is striking in your warning against the dangers of hero worship in politics. "Bhakti in religion may be a road to the salvation of the soul," you observed, "but in politics, bhakti or hero worship is a sure road to degradation and to eventual dictatorship." These words resonate with urgency in our times.The rise of personality cults, the elevation of leaders to near-infallible status and the shrinking space for dissent create an environment where institutions risk becoming subordinate to individuals. In such a climate, the idea of accountability being central to democracy begins to erode.You had also drawn a distinction between political democracy and social democracy. "Political democracy cannot last unless there lies at the base of it social democracy," you had said, defining social democracy as a way of life founded on liberty, equality and fraternity.

Today, it is evident that these principles remain unevenly realised. Liberty is often contested, equality remains aspirational for many, and fraternity, the most fragile of the three, seems to recede in the face of growing polarisation. The persistence of social hierarchies, the normalisation of economic disparities and the sharpening of communal divisions all point to a deeper malaise. The danger, you cautioned, was that such contradictions, if left unresolved, would threaten the very fabric of democracy.

Woman at the helm in Mumbai MC

Ashwini Bhide, who has stormed a male bastion, is well known for her integrity

RESIDENTS of Mumbai should thank Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis for choosing a top-class bureaucrat, Ashwini Bhide, to head the 161-year-old Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC). Bhide recently took charge as the city's first woman Municipal Commissioner.There are two appointments that matter the most to every resident of my city — Municipal Commissioner and Police Commissioner. Their leadership affects every Mumbaikar's life. The jobs of Chief Secretary, the seniormost babu in the state administration, and the DGP, who heads the law-and-order machinery, are basically supervisory. Many good choices have been made in the past, and many bad ones too. The consequences of such choices are easily discernible to the public.What do the people expect from the two cutting-edge officers at the top? Residents need good civic amenities — uninterrupted electricity and water supply, pothole-free roads and efficient sewage disposal. These are their main expectations from the municipality. They want the police to ensure safety and security of life and property.

Thus, the incumbents of the top jobs in the BMC and the Mumbai City Police must be, first of all, officers of unquestioned integrity. They may be very intelligent and capable, but if they are more interested in serving themselves rather than the public, they will start on the wrong foot.There have been some very good commissioners, both in the municipality and the police. The problem arises when the ruling party handpicks officers for dubious reasons. Most citizens learn very quickly which officer works for the public good and which one prioritises personal gains. Nothing can be hidden from the public gaze. If there are officers who think they can escape that scrutiny, they are sadly mistaken, or more likely, they do not care!

Bhide comes with a formidable reputation for integrity, which is a sine qua non for good governance. This is the second recent appointment made by Fadnavis that meets this criterion. The other was of Sadanand Date as the state's Director General of Police (DGP). At the seniormost level, these two officers — Bhide of the IAS and Date of the IPS — are easily the pick of the lot. They represent the best that these two services should offer.

I once met Bhide in her office a few years ago. She was tasked with getting the Mumbai Metro up and running. Her priority was the acquisition of land for the project. The Royal Western India Turf Club (RWITC) was in possession of some of this land. Vivek Jain, then Chairman of the RWITC, requested me to accompany him to a meeting with Bhide. I went along with him and he told her about the minimum requirement of the club to organise weekly racing.

Both Vivek and I left her office with an indelible impression of a straightforward, no-nonsense officer who inspired confidence. My subsequent conversations with friends in the bureaucracy and the police confirmed my initial opinion about her. I learnt that she was not only an officer of unimpeachable probity but also one who made it a point to know every detail of the task entrusted to her and went about accomplishing it without any fuss or publicity.Following her appointment as Municipal Commissioner, the media focused on the fact that she was the first woman to head the BMC — India's richest municipal body whose budget exceeds that of some small Indian states. Bhide rightly pointed out that her gender was inconsequential to her elevation.

Religion, caste and gender don't matter to the people who are to be served. It is the calibre of the officer selected that counts. Bhide scores much higher than many others who have held that position.There have been several outstanding women officers in the IAS, IPS and the Indian Foreign Service (IFS). Serla Grewal, an IAS officer of the Punjab cadre, served as the Governor of Madhya Pradesh and Secretary to the Prime Minister. Meeran Chadha Borwankar was a top-class IPS officer of the Maharashtra cadre. Now retired, she is fondly remembered by those who served under her. Former Foreign Secretary Nirupama Rao was an asset to the Foreign Service, which normally does not attract public attention.The greatest reward that public servants, especially in the IAS and the IPS, should expect is the love and respect of the people they have been lucky to serve. It is most satisfying when citizens greet you and come up to talk to you years after you have retired.

Right from the days when she entered the IAS, Bhide must have been aware that 'S' stands for "Service". This word should remind all who join the IAS and the IPS that they are "servants" chosen to serve the people. Some do forget this basic thing and then there are those who even imagine that they are the masters! Bhide is one of those who has interpreted the meaning of "Service" correctly.

'Nari shakti' law: Promise must meet practice

A special parliamentary session is planned from April 16 to 18 to pass the enabling amendments, including changes to the delimitation Act

PRIME Minister Narendra Modi on Monday described the Nari Shakti Vandan Adhiniyam as a historic step that fulfils BR Ambedkar's vision and ends "decades of waiting" for women's political representation. The law, passed in 2023, provides for 33% reservation for women in the Lok Sabha and state Assemblies, with implementation expected around 2029 after delimitation. A special parliamentary session is planned from April 16 to 18 to pass the enabling amendments, including changes to the delimitation Act. It links women's reservation to a delimitation exercise that would redraw constituencies and expand the Lok Sabha from 543 to 816 seats, with 273 seats reserved for women.

However, the proposal has triggered a sharp political divide over its design. Opposition parties support reservation but argue the government is using it as a pretext to push a broader delimitation agenda that could alter the country's political map based on the 2011 Census.At the core of the reservation policy is the poor record on women's representation. Women currently make up only about 13-14% of Lok Sabha members, rising from nearly 5% in the early decades after Independence. In state Assemblies, the average is around 9%, with very few states crossing the 15-20% mark. This persistent gap highlights the distance between constitutional equality and political reality. In this view, the law is undeniably a long-overdue correction. Greater participation of women will reshape policymaking and deepen democracy.However, concerns remain over delay and design. Linking its implementation to delimitation could postpone meaningful change and dilute its impact. There is also the concern that constitutional ideals are being used for political messaging rather than urgent reform. Ultimately, the measure will be judged by whether it delivers timely and genuine representation to women in our legislatures.

New Bangladesh government has a lot to undo first

India is looking to restart the stopped transport links and infrastructure projects with its eastern neighbour. Mutual trust and reciprocal benefits can be threads to re-stitch the bilateral ties with

After the 18-month tenure of an interim government following Sheikh Hasina's ouster, India and Bangladesh recently started re-engaging with the visit of the foreign minister of the newly-elected Bangladesh Nationalist Party government led by Prime Minister Tarique Rahman.India had reached out to Rahman, signalling that improvement in bilateral ties was possible after the downslide under the IG. The neighbourhood remains at the core of India's foreign policy and engagement with regional governments integral to its long-term vision.

The IG interregnum led by Muhammad Yunus, whose support base was the Islamist parties and leaders of the student agitation that ousted Hasina, was marked by heightened anti-India rhetoric, breakdown in law and order, widespread atrocities on minorities, and vendetta politics in full flow. There is considerable work ahead to undo the damage done by the IG, which will go down as a forgettable chapter in Bangladesh's recent history.

The only positive aspect of the IG was the election, though it was universally regarded as flawed since the Awami League was banned. While thousands were ensnared in legal cases, Yunus exploited his power by withdrawing money laundering cases against himself and annulling his outstanding income tax arrears.To add insult to injury, he rode the vendetta bandwagon by presiding over a weaponised judiciary that convicted and sentenced Hasina and her home minister to death for crimes against humanity. Both now live in exile in India. India ignored requests by the IG for their extradition, since the convictions were political in nature, obtained through a weaponised judiciary. The bilateral extradition treaty clearly gives the host country the right to refuse in such political cases.Against this background, the two countries re-engaged at the foreign-ministerial level to stitch together the frayed fabric of bilateral ties. India had conveyed to Rahman a willingness to forget the past. The BNP, too, had earlier reached out to Delhi via track one and two dialogues, long before Hasina was ousted. Though Foreign Minister Khalilur Rahman became the first top Bangladeshi minister to visit India, he had visited Delhi for talks as the IG's national security advisor.

While India's ministry of external affairs issued a cryptic communiqué avoiding details, the bilateral engagement essentially agreed to restart various mechanisms to move towards restoring ties to earlier levels. The domains include trade facilitation, energy supplies, visa services, transport connectivity, border management and river-water sharing, particularly the Ganga Water Sharing Treaty that lapses this December.

The MEA's press release was quite bland and merely mentioned the meetings held, reiterating India's desire to "engage constructively with the new government and further strengthen bilateral ties. The two sides agreed to explore proposals for deepening the partnership through the relevant bilateral mechanisms".The one-on-one meeting between India's NSA and Bangladesh's FM clearly indicated the emphasis India has attached to security issues. It is no coincidence that a few days before the visit, eight terrorists were arrested in Delhi whose leader is a Pakistani member of the terrorist organisation Lashkar-e-Taiba and one of whom had been sent to Bangladesh to recruit Bangladeshi nationals. The other seven were from Bangladesh, which shows the extent of radicalisation. Pakistan has changed its strategy—instead of infiltrating terrorists from its own territory, it is seeking to outsource attacks on India to radicalised Indian and Bangladeshi recruits. The earlier visit of Bangladesh's new director general of forces intelligence had flagged these issues. The frequent visits of Pakistan's Inter-Services Intelligence officers during the IG hinted at Pakistan's modus operandi.

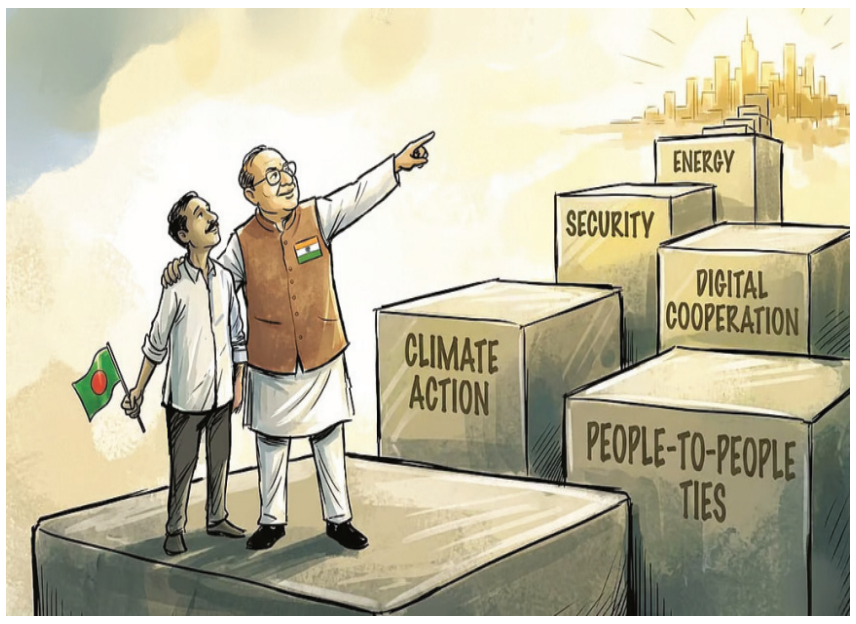

In this context, Bangladesh's parliament passing the Anti-Terrorism (Amendment) Bill 2026 is significant. The BNP government is now armed with a sharper law to act against terrorist organisations. Implementation will, however, be crucial as there is always scope for dragging feet for geopolitical reasons.

It is not surprising that the visiting foreign minister reiterated his country's request to extradite Hasina and the former home minister. It is a pro forma request that is meant for domestic consumption, since India's stand was clearly conveyed earlier and the same would have been reiterated during his visit. It is worth noting that Rahman was also convicted—as a co-conspirator in the grenade and machine-gun attack on Hasina and other Awami leaders in Dhaka in 2004. Tarique was imprisoned by the caretaker government in 2007, given the choice of quitting politics forever and sent into exile to the UK, where he stayed for over 17 years. The British government refused to extradite Tarique. The BNP has always maintained that it was a political case and blamed Hasina for manipulating the judiciary to obtain the convictions. These orders were set aside by the IG under an agreement which allowed Tarique to return and attend the funeral of his mother, former Prime Minister Khaleda Zia, and assume chairmanship of the BNP. The agreement was probably guided by the Americans, who exercised considerable influence on Yunus.

The BNP has also pushed through parliament legalisation of the IG's ordinance to ban the Awami League, egregiously labelling the party as a 'terrorist organisation'. The banning of the country's largest political party does not augur well for the future of democracy in Bangladesh.

DA hike has been delayed, but will you get it this year?

If you've been waiting for the DA hike announcement, you might have noticed the silence this time. It hasn't come when expected, but does that mean trouble, or just a delay?

New Delhi,.(Agency)

If you've been waiting for the Dearness Allowance (DA) hike announcement, you're not alone. Many government employees expected the update by March, but this time, it's taken a little longer. So, should you be worried? Not really.

WHY THE DELAY THIS TIME?

The delay has more to do with timing than any major change in policy. DA hikes are calculated using a fixed formula based on inflation data, and that process hasn't changed.Adhil Shetty, CEO, BankBazaar, explains, "The delay in the April 2026 DA hike announcement is slightly outside the usual timeline, but it does not signal any policy shift. DA revisions follow a clear formula based on the 12-month average of the CPI-IW, and the data already points to a modest 2% increase, which would take the rate to around 60%."

IS THE DA HIKE STILL COMING?

Yes, very much and the increase is almost certain.Shetty explains, "DA revisions follow a clear formula based on the 12-month average of the CPI-IW, and the data already points to a modest 2% increase, which would take the rate to around 60%. The hike itself is not in question—DA has steadily risen from 2% in 2016 to nearly 60% now, reflecting cumulative inflation over the past decade."He further adds, "Once notified, the hike will be implemented retrospectively from January 2026, with arrears paid in full. So while the timing is slightly delayed, the outcome remains on track."**WHAT'S CAUSING THE HOLD-UP?**

Experts say the delay is largely procedural. The process involves data review, internal approvals, and Cabinet clearance. This year, the transition towards the 8th Pay Commission may also be influencing the timing.Pratik Vaidya, Managing Director at Karma Management Global Consulting Solutions, says, "The delay that is being viewed as a 'delay' is much more about expectations than reality."He adds, "It depends on the full-year AICPI numbers until December and after that there's a process — file movement, financial vetting, Cabinet approval."Shetty also notes that administrative sequencing and the shift towards the 8th Pay Commission framework could be affecting the timeline this year.

WILL YOU LOSE ANY MONEY DUE TO THE DELAY?

No. Employees will receive full arrears for the months between January and the announcement. So financially, nothing changes, only the timing of when the money arrives.Simply put, this isn't a freeze or rollback. It's simply a slight delay in announcement. The DA system remains intact, and the hike is very much on track. For employees, it's more about waiting a little longer than worrying.

Akshaya Tritiya 2026: Smart rules to follow if you are pre-booking gold jewellery

New Delhi,.(Agency)

Akshay Tritiya will be observed on April 19 this year. It is a ritual of prosperity and good fortune that a large number of Indians observes. Many buy gold and silver jewellery on this occasion. But now with gold prices near the peak, it has also become a matter of financial prudence. Analysts point out that with such elevated prices more and more potential buyers are exploring the questions of pricing, timing and long-term value. The gold prices are now ruled by the ongoing military conflict between the US and Iran and the value of the dollar in the global markets and interest rate expectations. The question: Is it prudent to pre-book gold and silver jewellery ahead of Akshaya Tritiya? Will prices rise further in the next few days? Let's have a look at a few smart strategies.

Smart tips before Akshay Tritiya

Do not rush into schemes that promise price lock. Sales promotion offers are to induce pruchases. They are not meant to protect you from the risks. Do not overpay.

One should calculate the real cost. This is not just the price of gold or silver. Making charges in jewellery can be very hefty and can even comprise one-third price of a piece. Then there are GST etc which can really push up the priced. When selling you are not getting back the making charges.

Buy only hallmarked jewellery. You will get a purity certificate and a bill. It will be of use when and if you need to sell the jewellery or exchange it for another one in future.One should also read cancellation terms carefully. There should not be fines and deductions if you withdraw your funds and cancel the purchase. Read the terms carefully before investing.You could move beyond jewellery and buy other forms of gold such as gold ETFs, silver ETFs, which linked to gold.

8th Pay Commission: Will Rs 69,000 minimum pay actually happen?

New Delhi:.(Agency)

IGovernment employee unions have put forward an ambitious proposal under the 8th Pay Commission, but whether it translates into reality is far from certain.At the centre of the demand is a steep revision in minimum basic pay to Rs 69,000, a sharp jump from the current Rs 18,000.

The proposal, submitted by the staff side of the National Council–Joint Consultative Machinery, has quickly grabbed attention for the scale of the increase it seeks.But there is a key distinction that often gets lost in the headlines. This is a demand, not a decision.The 8th Pay Commission is yet to finalise its recommendations, and the government has not indicated any acceptance of the figures being proposed. What unions have put forward is effectively an opening position in what is likely to be a long negotiation process.The proposal also includes a higher fitment factor of around 3.83, compared to 2.57 earlier. The fitment factor is the multiplier used to revise basic salaries, meaning a higher number directly results in a larger increase in pay.There are also demands for a 6% annual increment, changes to allowances such as house rent allowance, and a return to the Old Pension Scheme for certain employees.Such demands are often pitched on the higher side to create room for negotiation, rather than as final expectations.

Taken together, these proposals would significantly raise the government's salary and pension bill.

India's wholesale inflation climbs to 3.88% in March: Govt data

New Delhi.(Agency)

Benchmark indices Sensex and Nifty climbed in early trade on Thursday as renewed optimism surrounding the progress in restarting US- Iran negotiations has helped ease immediate geopolitical concerns and

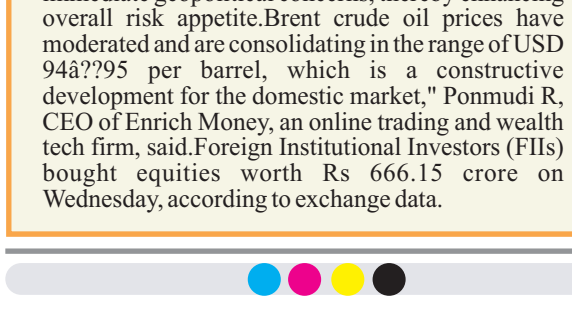

driven crude oil prices lower.A positive trend in global markets and fresh foreign fund inflows also added to markets' optimism.The 30-share BSE Sensex jumped 619 points to 78,730.32 in early trade. The 50-share NSE Nifty climbed 169.65 points to 24,400.95.From the 30-Sensex firms, Eternal, Infosys, Tech Mahindra, Bajaj Finance, Tata Steel and InterGlobe Aviation were the major winners.

Sun Pharma and Titan were the laggards.

Brent crude, the global oil benchmark, traded 0.04 per cent up at USD 94.97 per barrel.

In Asian markets, South Korea's benchmark Kospi, Japan's Nikkei 225 index, Shanghai's SSE Composite index and Hong Kong's Hang Seng index were trading higher.

US markets ended mostly higher on Wednesday.

"Renewed optimism srrounding the progress in restarting USâ??Iran negotiations has helped ease immediate geopolitical concerns, thereby enhancing overall risk appetite.Brent crude oil prices have moderated and are consolidating in the range of USD 94â??95 per barrel, which is a constructive development for the domestic market," Ponmudi R, CEO of Enrich Money, an online trading and wealth tech firm, said.Foreign Institutional Investors (FIIs) bought equities worth Rs 666.15 crore on Wednesday, according to exchange data.

Mark Mobius dies at 89: The investor who took global money to emerging markets

New Delhi.(Agency)

Long before emerging markets became a regular part of global portfolios, Mark Mobius was already there, travelling through countries, meeting businesses and making bets others would not.

Known for his on-ground approach and belief in opportunity within volatility, veteran investor Mark Mobius died on Wednesday at 89.His death was confirmed on Wednesday through a statement posted on his LinkedIn page. The cause of death was not mentioned. He died in Singapore, according to John Ninia, a partner at Mobius Investments.

Mobius was widely seen as one of the earliest and most influential investors in emerging markets. Over a career spanning more than four decades, he helped shape how global investors looked at countries in Asia, Africa, Latin America and Eastern Europe.

A PIONEER OF EMERGING MARKETS INVESTING

Mobius built his reputation by investing in markets that many investors once avoided due to political risk, weak governance and currency volatility. His approach helped draw billions of dollars into these regions.He was often called the "Indiana Jones of emerging markets" because of his willingness to travel to difficult and unfamiliar places in search of investment opportunities.In his book Passport to Profits, he wrote, "Volatility is not an enemy to fear but a sign that opportunity is close at hand."

His belief in finding value in uncertain markets became a guiding idea for many fund managers who followed him.

LONG CAREER AT FRANKLIN TEMPLETON

Mobius spent more than 30 years at Franklin Templeton, where he served as executive chairman of the Templeton Emerging Markets Group.

He joined the firm in 1987 after being hired by investor John Templeton. At the time, emerging markets were still a small and underdeveloped part of global investing.Mobius went on to manage one of the first mutual funds focused on these markets. From 1989 until his retirement, the Templeton Emerging Markets Investment Trust delivered average annual returns of 13.4%, according to Morningstar Direct.After 2001, when the MSCI Emerging Markets Index was introduced, the fund outperformed the benchmark by 1.9% a year on average.

India falls to 6th largest economy behind UK

New Delhi.(Agency)

India has fallen below the UK in size of the economy to sixth place according to the latest IMF estimates for 2006. As per the April global economic outlook of the IMF, India is likely to end 2026-27 with a GDP size of $4.15 trillion, below the UK's $4.26 trillion. The drop in ranking is possibly due to the recent revision in base year due to which the nominal GDP has been revised downward. The depreciating rupee has also played its role in the fall in India's ranking.

India had surpassed the UK in 2022-23 to become the fifth largest economy in the world, and was slated to become the fourth largest economy by 2025-26. However, the latest government GDP estimates released in

February show that the nominal GDP of the country has declined from the Rs 357 lakh crore in the old series to Rs 345.5 lakh crore in the new series. At an average exchange rate of Rs 87 for FY26, India's GDP in dollar terms would fell short of $4 trillion."The change in the rank reflects new base year of GDP where nominal GDP is lower than old base GDP by 4%. Further rupee depreciated against the dollar by 11% in FY26. The combination resulted in the GDP ranking revision," says Gaura Sengupta, chief economist, IDFC First Bank.A query sent to secretary, Ministry of Statistics and Programme Implementation (Mospi), Saurabh Garg, remained unanswered at the time of filing of the report.

Earlier, chief economic advisor to government of India V Anantha Nageswaran has said that based on current projections, India is expected to cross the $4 trillion-mark comfortably in 2026-27, although relative global rankings will depend on external factors.

As per the IMF's latest estimates, Japan with $4.38 trillion would remain the 4th largest economy behind Germany ($5.45 trillion), China ($20.85 trillion) and the US ($32.3 trillion).

Infosys dismisses social media allegations over harassment at Pune facility amid TCS row

SYDNEY.(Agency)

Amid the ongoing workplace harassment probe at TCS Nashik, IT bellwether Infosys has dismissed social media allegations of workplace harassment at its Business Process Management (BPM) facility in Pune. The clarification comes amid heightened scrutiny of Maharashtra's IT sector, following a separate investigation into Tata Consultancy Services (TCS) in Nashik over allegations of workplace harassment and forced religious conversion.The Infosys controversy emerged after a series of posts on social media platform X alleged inappropriate behaviour towards female employees at its Pune facility.However, the posts were later deleted. Maharashtra minister Nitesh Rane said the government has taken note of the allegations.Infosys said it follows a zero-tolerance policy towards harassment and discrimination."Infosys maintains a zero-tolerance approach to any form of harassment or discrimination," the company said.The IT firm added that any issue reported is treated seriously and investigated by an independent committee, and that it promotes a "speak-up culture" encouraging employees to report concerns through multiple channels.The company also stated that it has activated internal processes and preventive mechanisms in line with its global Code of Conduct to examine the matter.The development comes against the backdrop of the ongoing TCS Nashik case, where multiple women employees have alleged harassment by senior staff between 2022 and 2026.The complaints include allegations of sexual harassment, stalking, inappropriate touching, objectionable remarks, mental harassment, and alleged pressure to adopt certain religious practices or convert.

Investigators have examined over 40 CCTV footage clips and are recording statements from complainants and accused persons.Police have also carried out an undercover operation involving women personnel in connection with the probe.The investigation remains ongoing, with officials stating that all aspects are being examined before any conclusions are drawn.In a related development, TCS officials conducted an unannounced visit to their Nashik office this week as part of an internal inquiry into the allegations, according to NDTV Profit.The company has constituted a special investigation committee and is examining the complaints. Senior officials have recorded employee statements as part of the probe.Sources said multiple complaints surfaced during the inquiry, widening its scope.

China's economy grows at 5% in first quarter, shrugging off initial impact of Iran war

On a quarter-on-quarter basis, China's economy grew 1.3% in the first three months from the final quarter of last year, the fastest pace in a year.

HONG KONG .(Agency)

China's economy accelerated in the first quarter of this year, expanding 5% from a year earlier as it largely shrugged off impacts from the Iran war so far, according to data released Thursday.

The January-March data released by the government, covering a period during which the Iran war began, was better than what economists expected and was up from the 4.5% growth seen in the October-December quarter.

On a quarter-on-quarter basis, China's economy grew 1.3% in the first three months from the final quarter of last year, the fastest pace in a year.Economists expect China, the world's second largest economy, to be able to weather short-term impacts from the Iran war, now in its seventh week.The war is pushing energy prices higher, worsening inflation and impacting global economic growth. But longer term, areas including global demand for Chinese exports could take a hit.The International Monetary Fund this week trimmed its economic growth estimates for China to a 4.4% expansion for 2026 as it lowered its global growth forecasts over Iran war shocks. Chinese leaders last month set an economic growth target of 4.5% to 5% for this year, the slowest since 1991.

"China can likely weather short term disruptions, but a protracted war and higher for longer energy prices would likely start to bite into growth by the second half of the year," said Lynn Song, chief economist for Greater China at Dutch bank ING.Also on Thursday, government data showed industrial output in China rose 5.7% in March year-on-year, better than market expectations, as global demand for Chinese exports of electronic equipments, autos, semiconductors and robotics remained strong.Retail sales were up 1.7% from a year earlier, worse-than-estimates and slower than the 2.8% growth in January and February, reflecting sluggish domestic demand for consumer goods.A years-long real estate sector slump in China has dragged consumer and investor confidence, but the country managed to achieve its targeted "around 5%" growth last year, powered by robust exports that drove its trade surplus to a record nearly $1.2 trillion despite U.S. President Donald Trump's higher tariffs.

China's exports will continue to be key in propelling its economy this year, economists believe, but reliance on export growth could now increasingly become a problem.The lack of a speedy resolution to the Iran war is likely to dent global growth, which will negatively impact other economies' ability to absorb Chinese exports," said Eswar Prasad, a professor of economics and trade policy at Cornell University."At a time when all countries are trying to protect their firms, households and economies from the fallout of the Iran war, the appetite for Chinese imports is clearly shrinking," he explained.On Tuesday, China reported its exports grew 2.5% in March from a year ago, significantly slowing from the previous two months although some analysts partly attributed that to seasonal distortions.

Special Parliament session from today, delimitation bill, women's quota in focus

In a high-stakes legislative push, Parliament will take up the Constitution (131st Amendment) Bill, Delimitation Bill and Union Territories Laws (Amendment) Bill, aiming to redraw India's electoral map, expand Lok Sabha seats and fast-track women's reservation, during the three-day session beginning today.

New Delhi.(Agency)

The government will convene a special three-day session of Parliament beginning Thursday, a sitting expected to be stormy as it moves to introduce three major bills that could reshape India's electoral architecture and representation system.Signalling a significant reset in how political representation is structured, the government will take up the Constitution (One Hundred and Thirty-First Amendment) Bill, 2026; the Delimitation Bill, 2026; and the Union Territories Laws (Amendment) Bill, 2026. Together, these aim to enable fresh delimitation based on updated Census data, expand the Lok Sabha's strength and operationalise the long-pending one-third reservation for women.

At the heart of the session is the Constitutional Amendment Bill aimed at enabling the implementation of 33 per cent reservation for women in the Lok Sabha and state assemblies. While the women's reservation law was passed in 2023, it is yet to be operationalised, as it is linked to a fresh delimitation exercise. The government is now looking to amend relevant provisions to pave the way for its rollout ahead of the 2029 Lok Sabha elections.

The Opposition has criticised the delimitation and is set to seek a deferment of the proposed exercise until the 2021 Census data, which is expected to be published in 2027, is available. They will raise the issue of using the 2011 Census as the baseline for delimitation.

ABOUT CONSTITUTION (131st AMENDMENT) BILL

At the core of the legislative package is the Constitution (131st Amendment) Bill, which seeks to overhaul the basis of constituency allocation by allowing delimitation using the 2011 Census instead of the 1971 Census, which has been the reference point for decades.

The move will effectively end a long-standing freeze that had preserved the relative representation of states despite demographic shifts. The government argues that India's population patterns have changed significantly due to migration, urbanisation and uneven growth, creating disparities in constituency sizes.

The amendment is expected to pave the way for a full-scale redrawing of constituencies and redistribution of seats to better reflect current population realities.

ABOUT DELIMITATION BILL

Closely linked is the Delimitation Bill, 2026, which proposes a fresh delimitation exercise based on updated population data. This exercise is also expected to significantly expand the strength of the Lok Sabha – from 543 seats to around 850 – to accommodate population changes and reservation requirements.The redrawing of constituencies would impact seat allocation across states, potentially altering the political balance in Parliament. The expansion is also seen as necessary to implement quotas without drastically reducing existing representation.

AAP rift deepens after ED raids on Ashok Mittal

New Delhi.(Agency)

Hours after the ED raid on AAP Rajya Sabha MP Ashok Mittal, the party's Delhi unit chief Saurabh Bharadwaj accused Raghav Chadha of betraying his party and having ties to the BJP.

Bharadwaj took to X and wrote, "The BJP govt toolbox is so predictable. Raghav Chadha was threatened by the ED. And he, out of fear or greed, decided to backstab the very party that made him an MP."

He added, "When Chadha is called out on social media, the BJP people came out to defend him. With AAP replacing Chadha as its Deputy Leader in the Rajya Sabha with Mittal, the ED is now going after the latter and raiding his premises. Meanwhile, Chadha enjoys Z+ security cover given by the Centre."

Adding to that, AAP national media in-charge Anurag Dhanda expressed in a video message, "Is it just a coincidence that Mittal's residence was raided days after he was made the Deputy Leader?"

'Sufficient material to proceed': Delhi court takes cognizance of ED complaint against Robert Vadra

New Delhi.(Agency)

A Delhi court on Wednesday took cognizance of a prosecution complaint filed by the Enforcement Directorate (ED) against businessman Robert Vadra and others in a money laundering case linked to a land deal in Haryana's Shikohpur.Special Judge Sushant Changotra of Rouse Avenue Court said the prosecution complaint disclosed sufficient material to proceed further against Vadra and eight others.

"Accordingly, I take cognizance of the offences under Section 3 (offence of money laundering) read with Section 70 (offences committed by companies) of the Prevention of Money Laundering Act, punishable under Section 4 of the Act…," the judge said, summoning the accused on May 16.

The ED had filed the complaint last July against Vadra, husband of Congress MP Priyanka Gandhi Vadra, and 10 others.

"The inference sought to be drawn from the aforementioned allegation is clearly to the effect that payment of Rs 58 crore by DLF was in fact given as bribe. There is no doubt that said investigation is pending and the present prosecution complaint is also silent qua the said fact … Nevertheless, considering the fact that further investigation of the case is going on, it shall be apt for the court not to comment on the merits of the aforementioned allegations," the Judge said.

"However, it is expected that further investigation shall include the above-stated facts within its purview for ensuring complete justice in the case," he added.

The case pertains to a deal of the purchase of 3.5 acres of land in Shikohpur from Onkareshwar Properties for ₹7.5 crore in 2008 and selling the land to DLF four years later for ₹58 crore by Skylight Hospitality — a company whose director Vadra had been earlier. The agency had also earlier attached 43 immovable properties linked to Vadra, Sky Light Hospitality Pvt Ltd and others.The prosecution complaint alleges that there was pressure on Directorate of Town and Country Planning (DTCP) officials from higher authorities to accelerate the process. The FIR in this case was based on a complaint filed by Surinder Sharma, a resident of Taruh in Nuh district, who had alleged that the land transaction was fraudulent and that Skylight Hospitality was registered in 2007 with a capital of just Rs 1 lakh.

Civic body to document century-old railway stations, schools and colleges in Delhi

New Delhi.(Agency)

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) is set to conduct an exercise to identify and document railway stations, schools and colleges in the city that are at least 100 years old or more for record-keeping.According to officials privy to the matter, deputy commissioners across all 12 zones of the civic body will be given the task of compiling details of such institutions as part of the initiative to create a record of long-standing public buildings still in use.

Among the sites likely to be covered are the 1903 Old Delhi Railway Station, the Anglo-Arabic Senior Secondary School complex at Ajmeri Gate, and the 1916 Tibbia College in Karol Bagh, all of which are still operating.

"The national capital has a vast number of railway stations and educational institutions that have served the city for over a century. This exercise will help us identify these places and maintain an updated record," an official stated.

Additionally, the corporation aims to maintain a consolidated database of such institutions, many of which have continued to serve residents for decades despite rapid urban expansion, officials said, while mentioning that details such as the name of the building, its age, ownership status and current condition will be documented during the process.

The exercise follows an order issued in February. In addition to that, assistance will be sought from the Archaeological Survey of India. Further details on the timeline and scope of the project are awaited, officials added.

Three family members, including toddler, killed after fire breaks out in temporary huts in Rohini

Blaze in Budh Vihar huts traps victims inside locked structure; probe underway into cause

New Delhi.(Agency)

Three members of a family, including a two-year-old girl, were killed early Wednesday after a fire broke out in temporary huts in Rohini's Budh Vihar area, officials from the Delhi Fire Services (DFS) said. According to police, five people managed to escape in time, while the victims were trapped inside a locked hut.

Fire officials said they received a call about the blaze around 1.25 am, following which seven fire tenders were rushed to the spot. A senior police officer said a PCR call was received at Budh Vihar police station regarding a raging fire in an empty plot near Mange Ram Park. On reaching the spot, it was found that four temporary huts used by rag-pickers had caught fire. The occupants used to collect scrap from nearby areas, the officials added.

During inquiry, police said the fire broke out around 12.45 am due to unknown reasons. The flames spread rapidly because of the highly combustible scrap material and the makeshift nature of the structures, leaving little time for occupants to react. Five persons managed to escape safely. However, three people were found dead inside a locked hut. The deceased were identified as Mosibur Dastagir (23), his wife Monara Sekh (19), and their two-year-old daughter, the officer said.

Firefighters later brought the blaze under control. Forensic and crime teams were called to inspect the spot, and efforts are underway to ascertain the exact cause of the fire. A case has been registered at Budh Vihar police station, and further investigation is in progress.One of the neighbours said that the couple tried to save the kid by pushing her out of the room, but suddenly the roof fell. The neighbour further stated that due to frequent thefts in the area, Mosibur had locked the door. However, when the fire broke out, he was unable to locate the key. In a desperate attempt to save his family, he tried to break the lock.

Can't Hollow Out Religion In Name Of Reforms: Supreme Court In Sabarimala Case

Chief Justice Surya Kant remarked that perhaps the most difficult task for the court is facing is how to declare that the beliefs held by millions of people are incorrect or erroneous.

New Delhi.(Agency)

No religion can be "hollowed out" in the name of social welfare and reform, the Supreme Court said today while hearing petitions seeking a review of its order allowing the entry of women of child-bearing age in the Kerala's famous Sabarimala temple. Essential practices cannot be stripped away from a religion in the name of social reform, the nine-judge bench said, pointing out that one of the most difficult tasks is to declare the beliefs of millions of people as incorrect.

The Bench, headed by Chief Justice of India Surya Kant, is currently hearing arguments regarding key Constitutional questions linked to the Sabarimala case, specifically one that debates the balance between freedom of religion and social reform.

Back in 2018, the Supreme Court had ruled that women of all ages must be allowed in Sabarimala temple. "Restrictions can't be treated as essential religious practice," a five-judge bench of the top court had said, calling the custom of barring women and girls between 10 and 50 years from entering the shrine "almost like untouchability".

During Wednesday's hearing - while responding to arguments concerning the maintainability of Public Interest Litigations in religious matters - Chief Justice Surya Kant remarked that perhaps the most difficult task for the court is facing is how to declare that the beliefs held by millions of people are incorrect or erroneous.

Justice MM Sundresh questioned if the court can pass judgment on such questions without first hearing the representations of the millions of people involved.

Justice BV Nagarathna expressed similar concerns, saying such PILs should not be entertained when the petitioner acts merely as an interloper. "We cannot hollow out a religion in the name of social welfare or reform," she added.Appearing before the Bench on behalf of the Travancore Devaswom Board which runs the 800-year-old temple, senior advocate Abhishek Manu Singhvi explained the interplay between Article 25(2)(b) and Article 26(b) of the Constitution, arguing that both provisions must be interpreted in a balanced manner.

Mukarba Chowk underpass 98% complete, will be opened soon, says minister

The project, which includes construction of three tunnels for two-wheelers, pedestrians and four-wheelers, had taken off in 2022.

New Delhi.(Agency)

Work on the construction of an underpass in North Delhi's congested Mukarba Chowk is 98% complete and it will be opened for traffic in a few days, Public Works Department (PWD) Minister Parvesh Sahib Singh said on Wednesday.

Singh, while inspecting the project, said that PWD has finished the construction work and only final touches remain. "We plan to open this for traffic in a few days, as the work is 98% complete," he added.

In a statement, the Delhi government said the project, aimed at easing congestion at the busy Mukarba Chowk intersection on Outer Ring Road, has been executed using jack pushing technology — a method that uses hydraulic jacks to propel pre-cast reinforced cement concrete (RCC) structures through the ground to build underpasses or tunnels.

The project, which includes construction of three tunnels for two-wheelers, pedestrians and four-wheelers, had taken off in 2022.

Addressing mediapersons, Singh said, "The stretch repeatedly witnesses heavy traffic. To fix this, our department has constructed three tunnels through which pedestrians can pass."

The government said the underpass will provide direct connectivity between Badli/Rohini and Azadpur/Jahangirpuri, reducing the need for vehicles to navigate the congested interchange. Officials estimate that around 15,800 vehicles per day will use the corridor. The project is expected to reduce travel time by up to 10 minutes per vehicle and cut travel distance by about 1 km per trip.

According to the statement, the project will also result in fuel savings of around 58,000 litres annually and reduce around 135 tonnes of CO_2 emissions each year. The inclusion of dedicated pedestrian underpasses has been highlighted as a safety measure for people crossing the corridor.

Lack of infrastructure for pedestrians and unsafe road crossing conditions have made Mukarba Chowka a major area prone to accidents. The junction functions both as a traffic and a transport interchange, with people relying on multiple modes of transport but without adequate facilities, such as waiting areas or designated pedestrian spaces, said officials.

NEWS BOX

Ukraine's Zelenskyy pursues more arms deals with allies to defend itself against Russia

KYIV. (Agency)

Ukraine's top diplomatic priority is securing allies' help to buy and build more air defense systems, President Volodymyr Zelenskyy said Wednesday between meetings with European leaders, as Russia warned that European sites that make drones and other equipment for Ukraine were "potential targets."

Russian strikes hit more than a half-dozen areas of Ukraine behind the front line on Tuesday and Wednesday.An 8-year-old boy was killed in the central Cherkasy region and a woman was hit in southern Zaporizhzhia, according to Zelenskyy and local officials."Every day we need air defense missiles — every day Russia continues its strikes," Zelenskyy said in a post on the Telegram messaging app.With no plans announced for further U.S.-mediated talks with Russia, Zelenskyy was visiting three European capitals in 48 hours to try to secure promises of further military and financial support. Germany and Ukraine agreed on a defense package valued at 4 billion euros ($4.7 billion), and Norway has pledged 9 billion euros in assistance, Ukrainian officials said."Italy in particular is very interested in developing joint production, especially in the area of drones, a sector in which we know well that Ukraine, in recent years, has become a leading nation," Italian Premier Giorgia Meloni told reporters after meeting with Zelenskyy in Rome.After more than four years of fighting Russia's full-scale invasion, Ukraine has battle-tested drone interceptor expertise and has developed groundbreaking air defense technology, but it lacks the money to scale up production to levels that would press its advantage.

Zelenskyy said he is asking European countries to keep adding money to a fund that allows the purchase from the United States of American-made weapons for Ukraine, especially the Patriot air defense system that can stop Russian cruise and ballistic missiles.Between November and March, Russia launched 27,000 Shahed-type drones, nearly 600 cruise missiles and 462 ballistic missiles at Ukraine, Ukrainian Defense Minister Mykhailo Fedorov said.

Back-to-back Israeli strikes kill four Lebanese medics as Israel-Hezbollah war grinds on

TYRE.(Agency)

The Israeli military on Wednesday killed four Lebanese rescue workers and wounded six others in three consecutive, targeted strikes, paramedic groups said, a stark illustration of the human cost of the Israeli military campaign against Hezbollah in southern Lebanon a day after it the two countries held historic talks in Washington.

The back-to-back Israeli attacks on the southern village of Mayfadoun, near the bigger town of Nabatiyeh, hit the first group of medics responding to a distress call from wounded civilians, a second group trying to assist their wounded colleagues and a third group rushing to aid the first two teams that had been targeted.The Israeli military did not respond to a request for comment on the strikes beyond saying it was "looking into" what happened. It has previously accused the Iran-backed Hezbollah militant group of using ambulances as cover for militant activities, without offering evidence.The Lebanese Health Ministry condemned the attacks as a "blatant violation" of international law.Abou Haidar Hayya, an official with the Islamic Health Committee involved in the rescue operation, said he feared such direct targeting of medics meant that "there are no more red lines in this war.""Ambulances are protected under all international laws and conventions. It is forbidden to target them. And when those prohibitions collapse, we have nothing left," he said by phone from the health center in Nabitiyeh.

Bloomberg Says "Claim Has No Merit" As Executive Accused Of Sending Sexual Texts To Male Employee

World.(Agency)

A Bloomberg L.P. account manager has filed a lawsuit alleging sexual harassment and retaliation by senior staff, claims that the company has strongly denied. According to a report by the New York Post, Charles Kyle O'Rourke, who has worked at Bloomberg since 2019, alleges that a senior manager sent him sexually explicit and inappropriate messages, creating a hostile work environment.The lawsuit, filed earlier this week in New York Supreme Court in Manhattan, names Peter Elliot as the alleged harasser. O'Rourke claims Elliot repeatedly used Bloomberg's internal messaging system to send crude comments, including sexually suggestive remarks about acts and travel.

"Over the course of his nearly six-year tenure, Mr. O'Rourke has been subjected to repeated acts of sexual harassment by a senior manager, Peter Elliot, and has experienced a hostile work environment exacerbated by inadequate management support and failure to provide reasonable accommodations for his deteriorating mental health," the complaint alleges.

One incident cited in the complaint dates back to February 2025, when Elliot allegedly sent O'Rourke inappropriate messages while he was planning an international trip. "Your life is terrible. Let's hope there's a Thai out there who can soothe you. Do you take the whole tribe? Or do you just pack some lube and some Nasty Pig cutoffs and get on the plane?" Elliot allegedly wrote.The suit also claims Elliot made disturbing remarks such as suggesting he should "spit in [his] coffee" and referencing "teeth marks," which O'Rourke says were entirely unwelcome.

Homeland Security worker, woman killed in series of Atlanta-area attacks

The accused was taken into custody later Monday during a traffic stop in Troup County, which borders Alabama. He is charged with two counts of malice murder, aggravated assault and firearms counts.

ATLANTA. (Agency)

A man has been charged in a string of attacks near Atlanta that left two women dead and a man in critical condition, drawing the Trump administration's attention after one victim was identified as a Department of Homeland Security employee who was walking her dog.The killing of the DHS worker, Lauren Bullis, and shootings of the two other victims on Monday led Homeland Secretary Markwayne Mullin to issue a statement raising concerns that the 26-year-old defendant, U.K.-native Olaolukitan Adon Abel, was granted U.S. citizenship in 2022, when Democrat Joe Biden was president."These acts of pure evil have devastated our Department and my prayers are with the families of the victims," Mullin wrote in a statement posted on social media, cataloging a litany of the defendant's previous alleged crimes but not specifying whether they happened before he was granted citizenship.Court records show that Olaolukitan Adon Abel, whose name appears in different variations in court and government records, pleaded guilty in California in October 2024 to assaulting two police officers with a deadly weapon and attacking another person when he was stationed at Naval Base Coronado.Authorities have said they believe at least one victim in this week's shootings was targeted at random, and possibly more.

A morning of violence

The first victim was found with multiple gunshot wounds near a restaurant in the Decatur area at around 1 a.m. Monday. She was taken to a hospital but died, DeKalb County Police Chief Gregory Padrick said at a news conference. Police have not publicly identified her.About an hour later in Brookhaven, an Atlanta suburb about 12

miles (19 kilometers) northwest of the first attack, a 49-year-old homeless man sleeping outside of a grocery store was shot multiple times, Brookhaven Police Chief Brandon Gurley said. The man, whose name hasn't been released, remains hospitalized in critical condition.

"It is apparent to us that it was a completely random attack on a member of our unhoused community," Gurley said.

Just before 7 a.m. and more than 10 miles (16 kilometers) away in the suburb of Panthersville, officers responding to a call found Bullis with gunshot and stab wounds, Padrick said. She died at the scene.

Investigators in Brookhaven determined that the three attacks were connected, Gurley said.Adon Abel was taken into custody later Monday during a traffic stop in Troup County, which borders Alabama. He is charged with two counts of malice murder, aggravated assault and firearms counts, court records show. He waived an initial court appearance Tuesday, and a public defender listed as his attorney did not immediately respond to an email seeking comment.Toyin Adon Abel Jr., the defendant's brother, said he did not want to talk about his brother when reached by phone but expressed sympathy for the victims. "I feel terrible for the victims, their families and their connections," he said.

Israel, US share 'identical goals' on Iran, says Netanyahu

Netanyahu reiterated that both countries aim to ensure the removal of enriched material from Iran, dismantle its enrichment capabilities, and reopen key maritime routes.

World.(Agency)

Israel's Prime Minister Benjamin Netanyahu has said that his country and the United States share "identical goals" in the ongoing conflict involving Iran, while cautioning that it is too early to predict how the situation will unfold.Netanyahu on Wednesday said that Washington has kept Israel informed of its contacts with Tehran. He reiterated that both countries aim to ensure the removal of enriched material from Iran, dismantle its enrichment capabilities, and reopen key maritime routes."Our goals and those of the United States are identical: We want to see the enriched material removed from Iran, we want to see the cancellation of enrichment capabilities within Iran, and of course, we want to see the opening of the straits," he said in a statement."It is too early to say how this matter will end, or even how it will progress. In anticipation of the possibility that fighting may resume, we are prepared for any scenario," he added, referring to the fragile two-week ceasefire between Iran and the US-Israel set to end on April 22.Amid continued hostilities, Israeli forces and the Shi'ite

Lebanese group Hezbollah have exchanged heavy fire. Netanyahu said military operations were ongoing, with forces continuing to strike militant targets while supporting residents in northern Israel."I stand by the residents of the north who are continuing to stand firm. At the same time, our forces are continuing to strike Hezbollah," he said.Referring to operations in Bint Jbeil, a key Hezbollah stronghold in southern Lebanon, Netanyahu said Israeli forces were close to overcoming the area, long regarded as a symbol of the group's resistance since the 2006 war.

He also said he had instructed the Israel Defence Forces (IDF) to widen the security zone in southern Lebanon and extend it eastward toward the slopes of Mount Hermon to "better assist our Druze brothers in their time of distress".Netanyahu confirmed that negotiations with Lebanon were under way with US facilitation, a significant development given the absence of formal diplomatic relations between the two countries."In the negotiations with Lebanon, there are two central goals: first, the disarmament of Hezbollah, and second, (achieving) a sustainable peace," he said.

Fresh Russian barrage kills 14 in Ukraine

KYIV.(Agency)

Russian strikes killed at least 14 people in Ukraine, local authorities said Thursday, after Moscow rained missiles and drones on its neighbour in overnight attacks.Moscow has fired hundreds of drones on its neighbour almost nightly since the beginning of the four-year war, with Kyiv regularly carrying out strikes within Russia in response to its attacks.

Two children were killed in Ukrainian overnight strikes on Russia, according to officials.

It comes after the end of a 32-hour Orthodox Easter truce marred by accusations of mass violations, according to both countries.Missile and drone attacks on the southern Ukrainian port city of Odesa killed seven people, the head of the city's military administration Sergiy Lysak wrote on Telegram.

Strikes on the capital Kyiv killed at least four people, including a 12-year-old boy, the city's mayor Vitali Klitschko said.Across the Ukrainian capital, blasts set buildings and cars alight, shattered windows and

damaged the facades of hotels, the State Emergency Service of Ukraine said in an assessment of the damage posted on Telegram.Rescuers pulled a child from the rubble of a residential building that collapsed in Kyiv's Podilsky district, where a drone "literally flew into an 18-story apartment block", Klitschko said.Three people were killed in the central Dnipropetrovsk region, Oleksandr Ganzha, head of the regional administration said on Telegram.

On the Russian side, two children were killed in the southern Krasnodar Krai region, its governor Veniamin Kondratyev said Thursday."A terrorist drone attack on residential buildings in Tuapse has claimed the lives of two minors aged five and 14," he wrote on Telegram.Russia's overnight attack on Ukraine triggered a missile alert in the capital Kyiv, where the head of the capital's military administration Tymur Tkachenko warne residents to shelter until the warning was lifted.The attack on Kyiv wounded at least 45 people, including several medics, mayor Klitschko said.

New discovery solves mystery of location of Shakespeare's London house

The17th-century map sheds new light on the Bard's London life, pinpointing for the first time the exact location of the only home Shakespeare bought in the city, and where he may have worked on his final plays.

LONDON.(Agency)

Fans of William Shakespeare know that the great playwright came from Stratford-upon-Avon, the riverside English town where tourists still throng to see his childhood home. But he made his name in London — though few traces of him remain in the British capital.A newly discovered 17th-century map sheds new light on the Bard's London life, pinpointing for the

first time the exact location of the only home Shakespeare bought in the city, and where he may have worked on his final plays.Shakespeare scholar Lucy Munro, who found the document, said that it supplies "extra bits of the jigsaw puzzle" of Shakespeare's life. And as with so many discoveries, it was partly due to luck."I came across it in the London Archives when I was looking for other things," Munro said.New evidence of the building's location

Historians have long known that Shakespeare bought property in 1613 near the Blackfriars Theatre, but the exact location was a mystery. A plaque on a 19th-century building records only that the playwright had lodgings "near this site."A plan of the Blackfriars precinct found by Munro and disclosed Thursday by King's College London shows in detail Shakespeare's house, a substantial L-shaped dwelling carved from a former medieval monastery, including its gatehouse.The 13th-century Dominican friary had been redeveloped for more secular uses after the dissolution of the monasteries by King Henry VIII in the mid-16th century. The precinct included the Blackfriars playhouse, which Shakespeare part-owned.

Pakistani army chief visits Tehran in bid to broker renewed talks between US and Iran

The White House said any further talks would likely take place in the Pakistani capital of Islamabad, though no decision had been made on whether to resume negotiations.

CAIRO.(Agency)

Pakistan's army chief is set to meet with Iranian officials in Tehran on Thursday in a bid to ease tensions in West Asia and arrange a second round of negotiations between the United States and Iran after almost seven weeks of war.The White House said any further talks would likely take place in the Pakistani capital of Islamabad, though no decision had been made on whether to resume negotiations.

The U.S. naval blockade of Iranian ports continued as U.S. Treasury Secretary Scott Bessent said the Trump administration would ramp up economic pain on Iran with new economic sanctions on countries doing business with it, calling the move the "financial equivalent" of a bombing campaign.Pakistan has emerged as a key mediator after it hosted direct talks between the U.S. and Iran in Islamabad that authorities said helped narrow differences between the two sides. Mediators are seeking a new round before the ceasefire expires next week.Meanwhile, Trump wrote late Wednesday on Truth Social that leaders from Israel and Lebanon would speak the next day in a renewed effort to broker a ceasefire after the countries' first direct talks in decades ended the previous day in Washington without a deal. It was not clear what leaders Trump was referring to.The Israeli prime minister's office did not immediately respond for comment, which was posted before dawn in Israel and Lebanon.The war has jolted markets and rattled the global economy as shipping has been cut off and airstrikes have torn through military and civilian infrastructure across the region. Oil prices have fallen amid hopes for an end to fighting, and U.S. stocks on Wednesday surpassed records set in January.Officials sayUS and Iran are making progressEven as the U.S. blockade on Iranian ports and renewed Iranian threats strained the ceasefire agreement, regional officials reported progress, telling The Associated Press the United States and Iran had an "in principle agreement" to extend it to allow for more diplomacy. They spoke on condition of anonymity to discuss sensitive negotiations.Iran's foreign minister, Abbas Araghchi, took part in a preliminary meeting Wednesday with Asim Munir, Pakistan's army chief of staff, Iranian state media reported.But even as mediators worked for peace, tensions simmered.The commander of Iran's joint military command, Ali Abdollahi, threatened to halt trade in the region if the U.S. does not lift its naval blockade, and a newly-appointed military adviser to Iranian Supreme Leader Mojtaba Khamenei said he doesn't support extending the ceasefire.

Mediators seek compromise on sticking pointsMediators are pushing for a compromise on three main sticking points that derailed direct talks last weekend — Iran's nuclear program, the Strait of Hormuz and compensation for wartime damages, according to a regional official involved in the mediation efforts.

Iranian Foreign Ministry spokesman Esmail Baghaei said Iran is open to discussing the type and level of its uranium enrichment, but his country "based on its needs, must be able to continue enrichment," Iranian state media reported.The fighting has killed at least 3,000 people in Iran, more than 2,100 in Lebanon, 23 in Israel and more than a dozen in Gulf Arab states. Thirteen U.S. service members have also been killed.

China calls for Strait of Hormuz to reopen

Chinese Foreign Minister Wang Yi said the window of peace was opening during a phone call with his Iranian counterpart, who briefed him on the latest developments in Iran-U.S. negotiations and Tehran's considerations on the next step, according to a statement from China's foreign ministry late Wednesday.

NEWS BOX

Vaishali's rise from lowest-rated to Candidates champion earns Judith Polgar's praise

New Delhi. (Agency)

R Vaishali's rise from the lowest-rated player in the field to Women's Candidates champion has drawn widespread praise, with leading voices from the chess world taking to X to celebrate her landmark achievement.

Among them was Judit Polgar, who highlighted the Indian's grit and resilience in a detailed post following the conclusion of the FIDE Candidates Tournament 2026. Polgar described Vaishali's triumph as a product of "persistence, fighting spirit, grit, and resilience," adding that winning the title as the lowest-rated player underscored the magnitude of the feat.That composure and fighting spirit were evident in the final round, where R Vaishali regained control at a crucial stage to outplay Kateryna Lagno and seal the title outright with 8.5 points. The victory not only marked a career-defining moment but

also secured her a place in the World Championship match later this year against China's Ju Wenjun.

Another reaction came from Susan Polgar, who also took to X to underline the significance of Vaishali's achievement. She pointed out that Vaishali is now only the second Indian woman since Koneru Humpy in 2011 to earn a shot at the world title, calling it a "well deserved victory" while wishing her luck for the championship clash.Long seen in the shadow of her younger brother R Praggnanandhaa, Vaishali's triumph signals her emergence as a force in her own right. Her campaign was built on consistency and composure against a strong field, reinforcing India's growing presence in elite women's chess.The Candidates also produced a compelling storyline in the Open section, where Javokhir Sindarov clinched victory after drawing with Wei Yi, setting up a World Championship clash with reigning champion D Gukesh.

Elsewhere, Praggnanandhaa signed off with a draw against Hikaru Nakamura, while Anish Giri finished second after defeating Matthias Bluebaum. Fabiano Caruana also ended his campaign with a win over Andrey Esipenko.

IPL 2026: Rohit Sharma fitness doubt adds to MI's worries against rampant PBKS

IPL 2026, MI vs PBKS: Mumbai Indians have struggled so far, losing three matches on the trot, and face a tough challenge against the unbeaten Punjab Kings on Thursday at the Wankhede Stadium. Rohit Sharma's injury concern and Jasprit Bumrah's indifferent form have only added to their worries.

Madrid. (Agency)

Mumbai Indians began their IPL 2026 campaign with a win over Kolkata Knight Riders, but things haven't been the same since. They have now lost three matches on the trot and are languishing in ninth place on the points table. What has further added to their woes is the fitness concern surrounding Rohit Sharma ahead of their clash against Punjab Kings on Thursday at the Wankhede Stadium in Mumbai.PBKS, on the other hand, are the only unbeaten team in the competition so far. They would have fancied their chances of beating KKR as well, had rain not played spoilsport in that encounter at the Eden Gardens. Punjab have historically done well in Mumbai, and with MI not being in the best of form, they will be eyeing to continue their impressive run.

WILL ROHIT SHARMA PLAY AGAINST PBKS?

Mumbai Indians are sweating over the fitness of Rohit Sharma, who suffered a hamstring injury against Royal Challengers Bengaluru. The veteran scored 19 off 13 deliveries before walking off the field. Cricbuzz later reported that Rohit was scheduled for scans to assess the extent of the injury.In the pre-match press conference, Naman Dhir said Rohit is currently being assessed by the medical team and coaching staff, with a decision to be taken once there is more clarity.If Rohit is unavailable, MI will have to rejig their batting order. Suryakumar Yadav is an option to open. Suryakumar opened the batting for MI in 2018, scoring 441 runs in 12 matches at an average of 36.75.They also have Quinton de Kock as an opening option, though that would require them to rethink how they use Sherfane Rutherford, who has featured as an Impact

Sub so far.

CAN PUNJAB CONTINUE THEIR UNBEATEN RUN?

Punjab Kings remain unbeaten in the tournament and haven't truly been tested so far. The only concern they might look to address is conceding 200-plus totals—something that has happened twice. That said, they managed to chase both targets down in the penultimate over, avoiding the unpredictability of last-over finishes.

Punjab's success has largely been built on collective effort rather than individual brilliance. Shreyas Iyer has impressed as captain, leading from the front with the bat and scoring 137 runs, including two fifties.

However, PBKS may need to tighten their bowling going forward, as their batters could require greater support in the latter stages of the tournament.

BUMRAH'S FORM A CONCERN FOR MI?

One of the key reasons why Mumbai Indians are yet to get going in IPL 2026 is the form of Jasprit Bumrah. The pace spearhead has an economy rate of 8.20, respectable on batting-friendly pitches, but his lack of wickets across four matches has raised concerns.In fact, Bumrah has now gone five matches and 122 deliveries without a wicket—his longest such streak in IPL history. For MI to turn things around, his return to form has become crucial.His new-ball partner Trent Boult has also struggled, managing just one wicket at an economy of 12.22.

Rasikh Salam always had it: RCB teammate credits pacer's LSG heroics to experience

IPL 2026: Rasikh Salam's four-wicket haul against LSG drew praise, but not surprise, from Jitesh Sharma. The RCB keeper insisted the pacer always had the skillset, with experience and guidance now helping him deliver consistently.

Bengaluru. (Agency)

Rasikh Salam's match-winning spell against Lucknow Super Giants earned praise from Jitesh Sharma, who dismissed talk of it being a sudden rise, insisting the pacer always had the skillset.The Royal Challengers Bengaluru wicketkeeper-batter credited experience and the right guidance for helping Rasikh unlock his potential during their IPL 2026 clash."He already had these skills that you're seeing now, but what he has learned recently is how to use them," Jitesh said at the post-match press conference."When you get a good mentor, a good coach, and a good environment, you begin to understand how to use the weapons you have. When to use them, where to use them, and whether they are even required," he added."After that, you keep sharpening

those weapons. When he played with me for Baroda, he worked a lot on his yorkers and slower ones. At that level, errors happen, but if you practice so much that it becomes muscle memory, then in matches things start coming naturally," Jitesh said.RCB's bowling unit delivered a clinical performance to restrict LSG to 146 at the M Chinnaswamy Stadium, with Rasikh leading the charge alongside Bhuvneshwar Kumar and Josh Hazlewood.

HOW RASIKH BROKE LSG'S BATTING ORDER

Rasikh's spell stood out for both control and timing. He removed Aiden Markram early, before striking again to dismiss Ayush Badoni and Mukul Choudhary just as LSG looked to rebuild.He returned to clean up Avesh Khan, finishing with four wickets for just 24 runs in his four overs.At the other end, Bhuvneshwar's three wickets and Hazlewood's control ensured there was no respite for the LSG batting unit, while Krunal Pandya chipped in with two wickets.The result was a complete bowling effort, but the spotlight remained firmly on Rasikh, whose performance reflected not a sudden breakthrough, but the result of years of work behind the scenes.

CSK writes to BCCI over 'Dosa Idly' song jibe at Chinnaswamy during RCB clash

Bengaluru. (Agency)

Chennai Super Kings have reportedly written to the Board of Control for Cricket in India over the music and remarks played at the M Chinnaswamy Stadium during their IPL 2026 clash against Royal Challengers Bengaluru on April 5.According to a report by The Indian Express, the franchise took exception to the playing of the track 'Dosa, Idly, Sambar, Chutney', a song by Gana Appu that has often been used in meme culture around South Indian stereotypes. CSK also raised concerns about certain accompanying comments and meme references, which they felt were not in good taste during the match.An IPL official confirmed that the complaint has been received and is under review, with the governing council expected to examine the matter. CSK managing director Kasi Viswanathan said the environment at the Chinnaswamy stood out compared to typical away fixtures."The DJs are usually around to support the home team. But at

the Chinnaswamy Stadium, it was different. Certain comments were made against our players. Considering it, we have written to the BCCI to have a look into it," Viswanathan said.

Previous incident adds context

The controversy also has some recent history. During the previous IPL season, the same track gained traction after RCB wicketkeeper Jitesh Sharma referenced it ahead of a game in Chennai. In that match, the DJ at Chepauk played the song when Sharma was dismissed, which drew reactions from fans.Following that episode, CSK's management reportedly introduced clearer guidelines to ensure that DJs avoid targeting opposition players or fans. "After that incident, there hasn't been any repeat of it. The DJ isn't supposed to make any comment on the opposition players," Viswanathan added, while also pointing to the franchise's fan culture.

Pat Cummins cleared for IPL 2026 return: Will he take part in SRH vs CSK clash?

NEW DELHI. (Agency)

TPat Cummins has been cleared to return to bowling after fresh scans, handing Sunrisers Hyderabad a major boost ahead of the second half of IPL 2026. But questions remain over whether the Australian skipper will feature in the upcoming clash against Chennai Super Kings.The development comes after Cricket Australia confirmed that Cummins' long-standing back issue has now been resolved. In a statement released on April 16, it was revealed that the pacer is set to rejoin the SRH squad soon, after

having already missed the side's first 5 matches so far."Pat Cummins has been given the all-clear to resume bowling without restrictions following fresh scans on his back in Sydney," the update read.Cummins' latest set of scans confirmed the back stress issue that limited him to a single match of professional cricket since last August has now resolved," it added.

The Australian quick is expected to travel back to India and rejoin the SRH squad, linking up with his SRH teammates, who seem to have found a winning rhythm after their dominant win over an in-form Rajasthan Royals, following their topsy-turvy start to the 2026 season.

WHY HAS CUMMINS MISSED IPL 2026 SO FAR?

Cummins' absence so far has been due to a carefully managed recovery from a back injury that dates back to last year.

"I'm back bowling we've mapped out a plan to get me right by the middle of the tournament. So hopefully, if nothing goes wrong, I'll play the back half, plus the final," Cummins had said before the season.

The injury had already forced him to miss significant cricket, including the T20 World Cup, with only a limited return during the Ashes. He had briefly joined the SRH squad earlier this season but returned home for final scans to ensure there were no long-term concerns.

Injustice: Frustrated Real Madrid slam referee over soft Camavinga red-card vs Bayern

NEW DELHI. (Agency)

Real Madrid's Champions League campaign ended in frustration as they were knocked out by Bayern Munich, with players and staff slamming the referee over Eduardo Camavinga's late red card.The controversial decision proved decisive in a 6-4 aggregate defeat, leaving Madrid fuming at what they believed was a turning point in an otherwise finely balanced contest.The match had been evenly poised before the incident. However, Camavinga's second yellow card late in the game shifted momentum, allowing Bayern to capitalise and score twice to seal progression.At the final whistle at the Allianz Arena, Real Madrid players rushed towards the referee, surrounding him in protest as frustration spilt over.Captain Dani Carvajal was seen confronting referee Slavko Vincic right after the decision, visibly furious with the call."It's your fault. It's your fault!" Carvajal was heard shouting at the official.

Jude Bellingham also did not hide his frustration when he spoke after the match, questioning the logic behind the booking.

"It's a joke. It is impossible for it to be yellow. Two fouls and two yellows," Bellingham said.Antonio Rudiger briefly addressed the incident while passing through the mixed zone, echoing the general sentiment within the squad over the decision.

Meanwhile, Arda Guler took matters further. The youngster confronted the referee after the final whistle and was shown a red card himself near the tunnel, adding to Madrid's frustrations and resulting in a suspension for the start of next season.

HOW REAL MADRID'S UCL FIGHT WAS ENDED BY BAYERN

Real Madrid made a dream start, capitalising on an early mistake from Bayern goalkeeper Manuel Neuer, with Guler slotting home inside the opening minute. Bayern responded quickly, but Madrid continued to find a way through, with Guler scoring again and Kylian Mbappe ensuring they went into the break ahead in a chaotic first half.

CSK's Khaleel Ahmed ruled out of IPL 2026 due to injury

IPL 2026: Chennai Super Kings have been dealt a big blow for their ongoing season with their pacer, Khaleel Ahmed being ruled out due to injury.

Chennai. (Agency)

Chennai Super Kings pacer Khaleel Ahmed has been ruled out of the Indian Premier League (IPL) 2026 after suffering a significant injury during the side's April 14 clash against Kolkata Knight Riders. The setback comes as a major blow for CSK, who have relied on the left-arm pacer for early breakthroughs this season.The injury occurred during a crucial phase of the KKR clash in Chepauk and immediately raised concerns within the CSK camp. India Today has learnt from its sources that Khaleel has suffered a serious quadriceps injury that will require a lengthy spell on the sidelines.Medical assessments have confirmed the extent of the damage, with Khaleel diagnosed with a Grade 2 tear. The injury has been described as a high-grade partial tear with a stretch injury of the right rectus femoris tendon, along with a complete tear of the direct head of the muscle.Given the severity, the pacer has been advised long-term rehabilitation, with a recovery timeline of 10 to 12 weeks. That effectively rules him out for the remainder of IPL 2026.The timing of the injury is particularly unfortunate for CSK, considering Khaleel had been a key part of CSK's pace bopwling unit, having featured in all of CSK's 5 matches this season.His absence now leaves a gap that CSK will have to address quickly, especially with the tournament entering a phase where consistency becomes crucial.

HOW DID KHALEEL AHMED GET INJURED?

Khaleel's injury unfolded during the 17th over of the innings against KKR.

While running in to deliver the final ball of the over, the pacer felt discomfort in his right thigh. He attempted to continue, but the pain forced him to stop midway and call for medical attention.

The situation became evident as he walked off the field, unable to complete his over. Gurjapneet Singh was brought in to finish the over, conceding a boundary in the process as CSK's plans were disrupted.

Before the injury, Khaleel had been one of CSK's standout bowlers in the match.He had delivered a disciplined spell in the powerplay, conceding just 17 runs in three overs and removing Sunil Narine, a key wicket given the all-rounder's aggressive approach at the top.

Anushka Sharma

Virat Kohli's Wedding Was Gatecrashed By Man Dressed As Maharaja, Security Head Recalls Incident

One of the most adored celebrity couples, Anushka Sharma and Virat Kohli, have always kept their love story private yet magical. The duo tied the knot in 2017 after dating away from the public eye, surprising fans with a dreamy, intimate wedding in Tuscany, Italy. With just close friends and family in attendance, the hush-hush ceremony remained under wraps until the couple officially shared their fairytale wedding pictures on social media, instantly breaking the internet. In a recent interview, security head Yaseen Khan revealed that a gatecrasher managed to make his way into Virushka's wedding.

What really happened at Anushka Sharma and Virat Kohli's wedding?

While speaking to Hindi Rush, Yaseen Khan, the founder of YK Security, recalled an incident that took place at Anushka Sharma and Virat Kohli's wedding in Italy. He said, "A gatecrasher, dressed exactly like a maharaja, arrived in a BMW, accompanied by two bouncers in a Safari. I wasn't present at the gate. I was at the main floor where the wedding was taking place. My team was there. We know the gatecrashers by face. My supervisor had a doubt so he flagged it to the event management team."

However, the event management team, comprising young trainees fresh out of college, mistook the gatecrasher for a real guest, likely influenced by his arrival in a BMW, and allowed him entry. Khan further shared, "When I got my eyes on him, he would stay only in the corner. His security guards would click his picture with a celebrity, after which he'd retreat into the corner. If you're a guest, you'd mingle with others at the wedding."

When Khan enquired about his background, the gatecrasher claimed to be the nephew of a high-profile guest who couldn't attend the wedding in Italy. Recalling the incident, Yaseen Khan shared that he then checked with Virat's manager to verify the claim and was informed that the said guest was invited only to the Delhi reception, not the Italy ceremony. He added that he returned to the gatecrasher and informed him that only invited guests were allowed, following which the man showed some attitude before eventually leaving.

After years of enjoying marital bliss, Anushka and Virat welcomed their first child, Vamika, in January 2021. Later, in 2024, they were blessed with a second child, Akaay. The couple has not revealed the faces of their kids on social media or publicly. The family continues to stay in the UK due to privacy reasons.

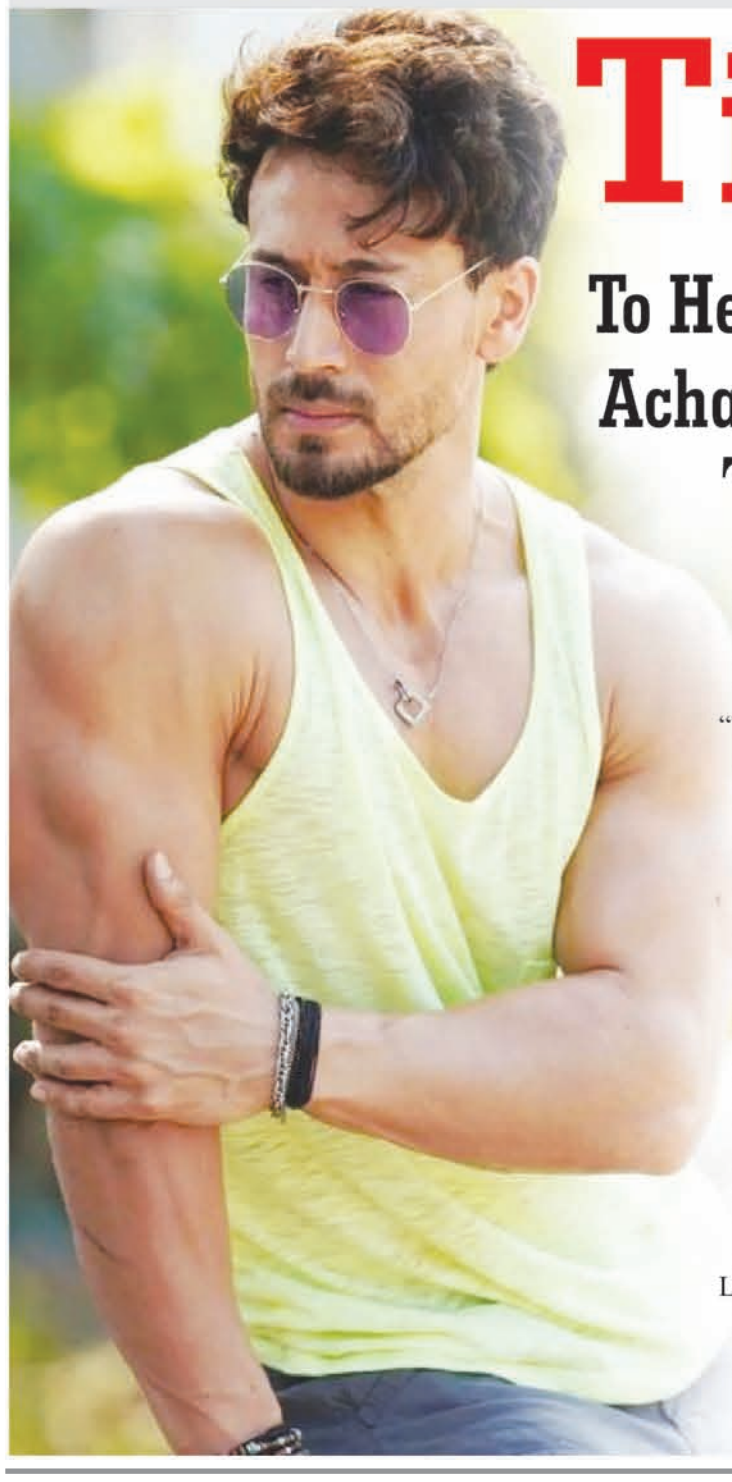

Tiger Shroff

To Headline Dhoom 3 Director Vijay Krishna Acharya's Next, Shoot To Begin In August?

Tiger Shroff is reportedly set to headline the next directorial venture of filmmaker Vijay Krishna Acharya, best known for Dhoom 3. The upcoming project is expected to go on floors in August this year. While an official announcement is yet to be made, sources suggest that the film will be a high-octane action entertainerPinkvilla quoted a source saying, "Tiger is on a roll right now and has been actively signing multiple films across genres. This collaboration with Vijay Krishna Acharya is one of the most exciting projects in his lineup. It's an out-and-out action-packed entertainer…the action is designed to be very slick, mounted on a big scale and unlike anything seen before in Indian cinema."

"Tiger will be exploring a new domain of action with this film. The idea is to reinvent his image and push his physicality and performance into untapped territory", the source adds. The film will be produced by Vinod Bhanushali and Tony D'Souza, with plans for a grand theatrical release in 2027. Meanwhile, Tiger is currently shooting for producer Murad Khetani's next, directed by Sachin Ravi of Avane Srimannarayana fame.On the professional front, Tiger Shroff will next be seen in Lag Jaa Gale, where he stars alongside Lakshya and Janhvi Kapoor. In a video shared on social media, Tiger Shroff was seen wearing a black outfit with long hair and a beard. He was seen with an intense look and smoking a cigarette. In another video, Janhvi was also seen joining him for the shoot, she was seen wearing a shimmering mini-dress and waved at the fans.

Lag Jaa Gale is said to revolve around a revenge-driven storyline, with action playing a central role. Lakshya and Tiger Shroff's characters will be pitted against each other, and their face-offs are expected to be one of the film's biggest highlights. High-intensity action sequences have been planned across the schedule. Janhvi Kapoor's role adds an emotional layer to the narrative, with her character forming a crucial link between the two men.

Toaster Movie Review: This Rajkummar Rao, Sanya Malhotra Film Is Almost Well-Toasted But Tonally Inconsistent

Having built his career over a plethora of roles born out of the humdrum of everyday life, Rajkummar Rao now steps into production. Joining him on this ride is wife, Patralekhaa. Hence, it's no surprise that their debut production venture, Toaster, is an ode to the beauty of ordinariness. But it also has a frosting of deliciously outlandish plot progression with chaos sitting atop like a cherry.Toaster revolves around – no points for guessing – a toaster. It unfolds over a one-liner story and it's interesting to see how director Vivek Daschaudary and writers Parveez Shaikh, Akshat Ghildial and Anagh Mukherjee manage to create a joyride – at least in the first half – out of it. The narrative resorts to humour so slice-of-life and 'categorically middle-class' (if Maya Sarabhai had to describe it) that you can't help but cackle every now and then.

So, there's a delectable whacky idea at the heart of Toaster. And for a while, the film leans into this absurdity with real confidence. It opens with thriller-like tension where we see a sweaty and scared Ramakant digging up a plot to bury a dead body. He asks a certain somebody if burials happen with the body lying on its back or its stomach as he's only used to seeing dead people get cremated.

The action then moves back a few weeks where we are introduced to Ramakant, a stingy man residing in Mumbai's Borivali West with his wife, Shilpa. On his morning run, he steals three bananas as that's a much better way of life than shelling out money. He argues with a woman in the telephone office as they charged Shilpa an added Rs 6 in her monthly bill. His face falls when his landlord, Glen, asks him to pay his share of the autorickshaw fare.

Aditya Dhar Reveals Hilarious Reply Stunt Director Gave Him When He Asked For New Stuntmen For Dhurandhar 2

If there is something other than the story in Dhurandhar: The Revenge that stood out to moviegoers, then it has to be the Ranveer Singh starrer's action. In a heartfelt post, Aditya Dhar has now lauded the entire team of 400 stunt performers who worked tirelessly on the film and shared behind-the-scenes photos.Dhar started the note writing, "To my action team on Dhurandhar – Aejaz Gulab, Sea Young Oh, Yannick Ben, Ramazan Bulut, and Vishal Tyagi. There's a thin line between conviction and madness, and on this film, I crossed it almost every single day.

Aditya Dhar further continued and stated that he used to go to the team with absolutely 'ridiculous' ideas, and his action director, Aejaz Gulab, would always say, 'Okay, let's figure it out.'

Sharing a hilarious incident when he told his action director that he believed the team was repeating similar faces in every scene, Aejaz Gulab said that the director had used almost the entire Mumbai in the team. Aditya revealed, "I still remember a point during the shoot where I told Aejaz bhai, 'We're running out of stuntmen, I'm seeing the same faces again.' And he just looked at me and casually replied, 'There's no one left, we've used almost everyone in Mumbai.' More than 400 stunt performers, even now, that number sounds unreal. But that's what it took. What stayed with me even more than the scale was the precision and ownership each of you brought.

Further adding how they worked day in and day out but never compromised on safety, he said, "What people won't see is what went into making all of this possible, mock sets built on studio floors, days and days of rehearsals, then reworking, then rehearsing again. We were under insane timelines, dealing with extreme conditions, but the one thing we never compromised on was safety and preparation. That's the only reason we could pull off what we did. Somewhere along the way, this stopped being just work for me. I found real friendships here."

"Action has always been the part of filmmaking that feels most instinctive to me. It's where I feel at home. And with all of you, I never felt like I had to fight to be understood, you just got it and then took it further. You didn't just execute what was written; you elevated it, challenged it, and made it better.